संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 230
पृष्ठ 8
रविवार
11 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- घर में लगाने वाले हैं बांस का पौधा...

विचार- युद्ध जैसे हालात में सरकार से अपेक्षा

खेल- भारत से घबराए पाकिस्तान...

प्रधानमंत्री मोदी ने की उच्च स्तरीय बैठक

सीमा की स्थिति का आकलन किया

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर शनिवार को यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में सीमा की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया और पाकिस्तान के सैन्य दुस्साहस का जवाब देने की रणनीति पर चर्चा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास पर हुई बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, " प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 7, लोक कल्याण मार्ग पर एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, एनएसए अजीत डोभाल, सीडीएस जनरल अनिल चौहान, सशस्त्र बलों के प्रमुख और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।" इस बैठक को इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि पाकिस्तान ने आज सुबह विभिन्न सैन्य और हवाई प्रतिष्ठानों पर हवाई हमले किए, जिन्हें भारतीय रक्षा बलों ने नाकाम कर दिया। भारत ने रावलपिंडी के नूर खान एयरबेस सहित पाकिस्तान के विभिन्न हवाई ठिकानों पर भी हमला किया और सैन्य ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया। पिछले 24 घंटों में प्रधानमंत्री की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ यह दूसरी बैठक है। गौरतलब है कि शुक्रवार को श्री सिंह ने पश्चिमी सीमा पर सुरक्षा स्थिति और भारतीय सशस्त्र बलों की परिचालन तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की थी, जिसमें जनरल चौहान, तीनों सेनाओं के प्रमुख और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह शामिल हुए थे।

भारत के एक भी युद्धक विमान का नुकसान नहीं हुआ है

नयी दिल्ली,एजेंसी। पाकिस्तान के साथ जारी सैन्य संघर्ष में भारतीय वायुसेना के किसी भी युद्धक विमान का कोई नुकसान नहीं हुआ है और ना ही मिसाइल प्रतिरक्षा प्रणाली एस-400 या किसी हवाई अड्डे को कोई खतरा पहुंचा है। सूत्रों ने आज यहां बताया कि बीते तीन दिनों से पाकिस्तान के खिलाफ नपीतुली, गैर-समानुपातिक एवं सीमित कार्रवाई में भारतीय वायुसेना के किसी भी विमान का कोई नुकसान नहीं हुआ है। इस बारे में पाकिस्तान की ओर से सोशल मीडिया में किये जा रहे दावे बेबुनियाद और मनगढ़ंत हैं। गौरतलब है कि पाकिस्तान की ओर से ऐसे दावे किये जा रहे हैं कि पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई में भारतीय वायुसेना के राफेल युद्धक विमान सहित कई विमान नष्ट हो गये हैं। बीती रात की कार्रवाई में पाकिस्तान की ओर से भारतीय मिसाइल प्रतिरक्षा प्रणाली एस-400 के भी नष्ट होने और दो भारतीय सैन्य हवाईअड्डों के ध्वस्त किये जाने की बात भी कही गयी है। इससे पहले विदेश मंत्रालय में ऑपरेशन सिन्दूर को लेकर हुई प्रेस ब्रीफिंग में भारतीय सेना की प्रवक्ता कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान लगातार दुर्भावनापूर्ण भ्रामक जानकारी फैलाने का प्रयास कर रहा है। उसने भारत की प्रमुख वायु रक्षा प्रणाली एस-400 प्रणाली को नष्ट करने, सूरतगढ़ और सिरसा में हवाई अड्डों को ध्वस्त करने का दावा किया है जो पूरी तरह से झूठ है। सूत्रों ने कहा कि रक्षा मंत्रालय एवं विदेश मंत्रालय जल्द ही पाकिस्तान के ऐसे दावों के झूठ को उजागर करेंगे और भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई में दुश्मन को हुए नुकसान की सच्चाई बताएंगे।

श्रीनगर में कई विस्फोट की आवाजें सुनी गयीं, पाकिस्तान से भेजे गये ड्रोन ध्वस्त

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में शनिवार सुबह कई विस्फोटों की आवाजें सुनी गयीं, कम से कम आधे घंटे तक रुक-रुक कर विस्फोट होते रहे। इस बारे में हालांकि कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है कि विस्फोट कहां हुये, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां ध्हाई अलर्ट पर हैं। शुक्रवार शाम को कश्मीर के बारामूला से लेकर गुजरात के भुज तक, अंतरराष्ट्रीय सीमा और पाकिस्तान के साथ नियंत्रण रेखा पर 26 स्थानों पर ड्रोन देखे गए, जिन्हें ध्वस्त कर दिया गया। जम्मू-कश्मीर में बारामूला, श्रीनगर, अवंतीपोरा, नगरोटा और जम्मू में पाकिस्तान की ओर से आ रहे ड्रोन निष्क्रिय कर दिये गये।

भारत ने अमृतसर में पाकिस्तान के कई ड्रोन मार गिराए

नयी दिल्ली,एजेंसी। भारतीय सेनाओं के पाकिस्तान के भीतरी इलाकों में जोरदार हमले से हताश पाकिस्तान ने बीती रात पश्चिमी सीमाओं पर ड्रोन से कई हमले किए, जिन्हें भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने नष्ट कर दिया। भारतीय सेना ने शनिवार सुबह बताया कि पाकिस्तान द्वारा ड्रोन हमलों और अन्य हथियारों के साथ हमारी पश्चिमी सीमाओं पर लगातार हमले जारी हैं। सेना ने कहा कि ऐसी ही एक घटना में आज सुबह लगभग 05 बजे अमृतसर के खासा कैंट के ऊपर दुश्मन के कई हथियारबंद ड्रोन उड़ते देखे गए। हमारी वायु रक्षा इकाइयों द्वारा दुश्मन के ड्रोन को तुरंत ही नष्ट कर दिया गया। सेना ने कहा है कि भारत की संप्रभुता का उल्लंघन करने और नागरिकों को खतरे में डालने का पाकिस्तान का यह नापाक प्रयास किसी हालत में सफल नहीं होने दिया जाएगा।

जेडीयू सासंद ने उठाया शानदार कदम, सशस्त्र बलों के लिए दान किया एक साल का मूल वेतन

पहलगाम आतंकी हमले और जवाबी सैन्य हमलों के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बीच जनता दल (यूनाइटेड) के नेता और सीतामढ़ी के सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) के माध्यम से सशस्त्र बलों को अपना एक साल का मूल वेतन दान करेंगे। उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र सीतामढ़ी में मीडिया को जानकारी देते हुए यह घोषणा की। ठाकुर ने कहा कि सशस्त्र बल लगातार देश की रक्षा में लगे हुए हैं और एक भारतीय नागरिक के रूप में, उन्होंने भी अपना एक साल का मूल वेतन, जो लगभग 15 लाख रुपये है, दान करके योगदान करने का फैसला किया है। ठाकुर ने कहा कि मैंने अपना मूल वेतन रक्षा सेवाओं के लोगों के लिए दान कर दिया है, चाहे वह सेना हो, नौसेना हो या वायु सेना हो, उनके महान साहस के लिए। हमारे भारतीय सशस्त्र बल देश की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं। उन्होंने कहा कि मैं देवी सीता की भूमि का प्रतिनिधित्व करता हूं और खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि सीतामढ़ी के लोगों ने मुझे लोकसभा के लिए चुना है। मैं लोकसभा के सदस्य के रूप में एक साल पूरा करने वाला हूं। हमें मूल वेतन के रूप में 1.25 लाख रुपये प्रति माह, मिलते हैं, इसलिए मैंने अपना पूरा एक साल का मूल वेतन पीएमएनआरएफ को दान करने का फैसला किया। भारत ने शुक्रवार रात श्रीनगर हवाई अड्डे सहित देश के उत्तर और पश्चिम में 26 स्थानों पर पाकिस्तान की ओर से किए गए ताजा ड्रोन हमलों को नाकाम कर दिया। साथ ही उसने इस्लामाबाद पर हवाई हमलों के लिए अपने नागरिक विमानों को "ढाल" के रूप में इस्तेमाल करने और उनकी उड़ानों को खतरे में डालने का आरोप लगाया। पाकिस्तान ने लगातार तीसरी रात कई शहरों को निशाना बनाया। इस बार उत्तरी कश्मीर के बारामूला से लेकर गुजरात के भुज तक को निशाना बनाया गया। सरकार ने कहा कि इस्लामाबाद ने बृहस्पतिवार रात भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के अपने असफल प्रयास में लेह से लेकर सर क्रीक तक 36 स्थानों पर तुर्किए के 300 से 400ड्रोन दागे।

मुख्यमंत्री योगी बोले- इसे राष्ट्र की भावना से जोड़ना जरूरी

शिक्षा केवल अंकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'शिक्षक धन्यवाद समारोह' के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने पहले आईसीएससीई बोर्ड के 10वीं-12 वीं के टॉपर्स, जेईई मेन टॉपर स्टूडेंट्स और फिर शिक्षकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि शिक्षा केवल अच्छे अंकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इसे नैतिक मूल्यों, संस्कारों और राष्ट्र प्रथम की भावना से भी जोड़ना चाहिए। हम अक्सर शिक्षा को अंकों तक ही सीमित कर देते हैं, जबकि इसका उद्देश्य जीवन निर्माण है। ऐसा जीवन जो देश के लिए उपयोगी हो। समाज के लिए प्रेरणा हो। शिक्षा को संस्कारों और राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ने पर ही विकसित भारत की नींव रखी जा सकती है। सीएम ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत का जो संकल्प देशवासियों को दिया है, उसमें शिक्षा और शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। शिक्षक ऐसी पीढ़ी को गढ़ने का काम कर रहे हैं, जो आने वाले समय में न केवल अकादमिक रूप से उत्कृष्ट होगी, बल्कि नैतिक दृष्टिकोण से भी मजबूत होगी। विकसित भारत वह होगा, जहां हर नागरिक सुरक्षित-समृद्ध और आत्मनिर्भर हो। अपने संबोधन में सीएम योगी ने देश की वैदिक परंपराओं की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमारा वैदिक उद्घोष माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः रहा है। प्रधानमंत्री उसी भावना को नेशन फर्स्ट के सिद्धांत में दोहरा रहे हैं। हमें भी इसी सिद्धांत के साथ जीवन के हर क्षेत्र में कार्य करना चाहिए। यह काम सिर्फ देश के नेतृत्व, सेना के जवानों और प्रशासनिक अफसरों का ही नहीं है। बल्कि, शिक्षकों का भी होना चाहिए। सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए सीएम ने कहा कि जब युवाओं के भीतर राष्ट्र के प्रति श्रद्धा का अभाव होता है, तभी देशविरोधी विचार पनपते हैं। इसलिए, शिक्षकों का उत्तरदायित्व बनता है कि वह न केवल ज्ञान दें, बल्कि छात्रों में देशभक्ति और नैतिकता भी रोपें।

रेखा गुप्ता ने आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए समीक्षा बैठक की

नयी दिल्ली,एजेंसी। पाकिस्तान के साथ जारी तनाव के बीच दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए शनिवार को सभी विभागाध्यक्षों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री कार्यालय की और से आज कहा गया कि दिल्ली की श्रीमती रेखा ने सभी विभागाध्यक्षों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सभी विभागों की तैयारी की समीक्षा हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों की तैयारी, एम्बुलेंस की उपलब्धता, दवाओं और आवश्यक सामग्रियों के पर्याप्त भंडारण करने के निर्देश दिए गए। गहन चिकित्सा इकाइयों में विद्युत बैकअप सुनिश्चित करने और चिकित्सकीय और पारामेडिकल स्टाफ की छुट्टियां रद्द करके ड्यूटी रोस्टर तैयार करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार राजस्व विभाग को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण(डीडीएमए) को सक्रिय करने, आश्रय स्थलों की पहचान के निर्देश दिए गए एवं सशस्त्र बलों, रेलवे और हवाई अड्डा प्राधिकरणों से समन्वय स्थापित करने के लिए भी कहा गया।ऊर्जा विभाग को बिजली जाने की स्थिति में तैयारी रखने और आवश्यक सेवाओं के लिए बैकअप बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गृह और पुलिस विभाग को परिचालन तत्परता और जल-विद्युत आपूर्ति की सुरक्षा बनाए रखने के आदेश दिए गए। पीडब्ल्यूडी, दिल्ली नगर निगम, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद आदि को आपात स्थिति में अवसंरचना निर्माण के लिए ठेकेदारों और मशीनरी की सूची तैयार रखने के निर्देश दिए।

स्त्री-पुरुष लिंगानुपात 899 से बढ़कर 913 पर

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत और अन्य स्वास्थ्य योजनाओं तथा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के कारण मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर वैश्विक औसत से बेहतर हो गयी है और देश में वर्ष 2021 तक लिंगानुपात 899 से बढ़कर 913 हो गया है। भारतीय महापंजीयक (आरजीआई) की नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) रिपोर्ट वर्ष 2021 के अनुसार भारत में प्रमुख मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। देश के मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) में उल्लेखनीय कमी आई है। यह 2014-16 में प्रति लाख जन्मों पर 130 से 37 अंक घटकर 2019-21 में 93 हो गई है।देश की शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) 2014 में प्रति 1000 जन्मों पर 39 से घटकर 2021 में प्रति 1000 जन्मों पर 27 हो गई है। नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) 2014 में प्रति 1000 जन्मों पर 26 से घटकर 2021 में प्रति 1000 जन्मों पर 19 हो गई है। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर (यूएमआर) 2014 में प्रति 1000 जन्मों पर 45 से घटकर 2021 में प्रति 1000 जन्मों पर 31 हो गई है। जन्म के समय लिंग अनुपात 2014 में 899 से सुधरकर 2021 में 913 हो गया है। कुल प्रजनन दर 2021 में 2.0 पर स्थिर है, जो 2014 में 2.3 से उल्लेखनीय सुधार है। यह रिपोर्ट शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने यहां जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, आठ राज्य पहले ही एमएमआर का एसडीजी लक्ष्य प्राप्त कर चुके हैं। ये केरल (20), महाराष्ट्र (38), तेलंगाना (45), आंध्र प्रदेश (46), तमिलनाडु (49), झारखंड (51), गुजरात (53) और कर्नाटक (63) शामिल हैं। बारह राज्य और केंद्र शासित प्रदेश पहले ही यूएमआर का एसडीजी लक्ष्य प्राप्त कर चुके हैं। इनमें केरल (8), दिल्ली (14), तमिलनाडु (14), जम्मू कश्मीर (16), महाराष्ट्र (16), पश्चिम बंगाल (20), कर्नाटक (21), पंजाब (22), तेलंगाना (22), हिमाचल प्रदेश (23), आंध्र प्रदेश (24) और गुजरात (24) हैं। इनके अलावा छह राज्य केरल (4), दिल्ली (8), तमिलनाडु (9), महाराष्ट्र (11), जम्मू और कश्मीर (12) और हिमाचल प्रदेश (12)एनएमआर का एसडीजी लक्ष्य प्राप्त कर चुके हैं। इसके अलावा, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भारत की प्रगति वैश्विक औसत से अधिक है।

युद्ध भड़काने के लिए अग्रिम मोर्चों की ओर बढ़ रही है पाकिस्तान सेना

नयी दिल्ली,एजेंसी। भारत ने आज कहा कि पाकिस्तान युद्ध भड़काने की अपनी नापाक साजिश के तहत पश्चिमी क्षेत्र में ड्रोन, लंबी दूरी की मिसाइलों और लड़ाकू विमानों से लगातार हमले कर रहा है तथा अग्रिम क्षेत्रों में सैनिकों की तैनाती बढ़ा रहा है जिससे स्थिति को और बिगाड़ने एवं भड़काने की उसकी मंशा दिख रही है। इसी के साथ पाकिस्तानी सरकारी एजेंसियों द्वारा विभिन्न स्थानों, विभिन्न सैन्य प्रतिष्ठानों और सुविधाओं पर हमला करने और उन्हें नष्ट करने आदि के बारे में सोशल मीडिया के माध्यम से झूठा प्रचार किया जा रहा है।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने शनिवार सुबह यहां एक विशेष ब्रीफिंग में संवाददाताओं को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। उन्होंने शुक्रवार एवं शनिवार की दरमियानी रात एवं सुबह पश्चिमी क्षेत्र में ड्रोन, लंबी दूरी की मिसाइलों और लड़ाकू विमानों से लगातार हमले कर 26 से अधिक स्थानों पर हवाई घुसपैठ की नाकाम कोशिश की जानकारी दी और कहा कि भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने पाकिस्तान की हर हरकत को नाकाम कर जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर जोरदार हमले किये जिनमें दुश्मन को भारी नुकसान हुआ है कर्नल कुरैशी ने यह भी कहा है कि पाकिस्तानी सेना के सैनिकों को अग्रिम मोर्चों की ओर कूच करते देखा गया है जो युद्ध को भड़काने वाली कार्रवाई है। उसने कहा है कि पाकिस्तान अभी भी भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों और उपकरणों को नुकसान पहुंचाने की भ्रामक जानकारी दे रहा है साथ ही वह भारत में सांप्रदायिक तनाव भड़काने की नापाक कोशिश भी कर रहा है।

कर्नल कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान सेना ने पूरे पश्चिम मोर्चे पर लगातार आक्रामक गतिविधियां जारी रखीं, उसमें यूसीएवी ड्रोन, लंबी दूरी तक मारक क्षमता वाले हथियारों, विस्फोटक युक्त ड्रोनों और लड़ाकू विमानों का उपयोग कर भारतीय सैन्य ढांचे को निशाना बनाया। नियंत्रण रेखा पर भी ड्रोन घुसपैठ और भारी कैलिबर हथियारों से गोलाबारी की। अंतरराष्ट्रीय सीमा और एलओसी पर श्रीनगर से नलिया तक 26 से अधिक स्थानों पर हवाई घुसपैठ के प्रयास किए गए। भारतीय सशस्त्र बलों ने अधिकांश खतरों को सफलतापूर्वक निष्क्रिय किया। फिर भी वायु सेना स्टेशनों पर उधमपुर, पठानकोट, आदमपुर और भुज, भटिंडा स्टेशन इन सब पर उपकरण और सैनिकों को हानि पहुँचाई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हाईस्पीड मिसाइल सुबह 1 बजकर 40 मिनट पर इस्तेमाल करके पंजाब के एक एयरबेस स्टेशन को ध्वस्त करने की कोशिश की। सिरसा में वायु सेना स्टेशन के नष्ट होने का दावा पूरी तरह से झूठा है, जैसा कि आपने देखा है। सूरतगढ़ में वायु सेना स्टेशन के नष्ट होने का दावा भी पूरी तरह से झूठा है। एक बार फिर यह दावा किया गया है कि आदमपुर में एस-400 बेस को नष्ट कर दिया गया, यह पूरी तरह से झूठा है। भारत के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, बिजली प्रणालियों, साइबर प्रणालियों आदि के बड़े हिस्से पर हमला करके उन्हें नष्ट करने के बारे में दावे किए गए हैं, जो पूरी तरह से झूठे हैं। उन्होंने अपील की कि देशवासी इस झूठ के जाल में न फंसें, जिसे पाकिस्तानी सरकार स्पष्ट उद्देश्यों के लिए फैला रही है।

कर्नल कुरैशी ने कहा कि एक निंदनीय और गैर पेशेवराना हरकत के तहत पाकिस्तान ने श्रीनगर, अवंतीपुर और उधमपुर के वायु सेना अड्डों पर चिकित्सा केंद्र और स्कूल परिसर को निशाना भी बनाया, जिससे उसके द्वारा सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमला करने की गैर जिम्मेदाराना प्रवृत्ति फिर उजागर हुई। पाकिस्तान द्वारा भारत के सैन्य ठिकानों को जानबूझकर निशाना बनाने के पश्चात भारतीय शस्त्र बलों ने त्वरित एवं सुनियोजित जवाबी हमले के तकनीकी उपकरणों, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर्स, रडार साइट और हथियार भंडार को चुनकर निशाना बनाया गया।

आपातकाल पंचायत में प्रस्ताव पारित

सौरम(मुजफ्फरनगर)। उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर स्थित ऐतिहासिक सर्वखाप के मुख्यालय शौरों (सोरम) में भारत–पाकिस्तान के बीच चल रहे हालातों को लेकर एक आपातकाल पंचायत आहूत की गयी, क्योंकि खापों का इतिहास रहा है कि जब–जब देश पर विदेशी आक्रांताओं ने आक्रमण करने की कोशिश की, तब–तब खापों ने देश के राजाओं और सरकारों के साथ मिलकर उन्हें मुँहतोड जवाब दिया है। आज सर्वखाप पंचायत में खापों के तपे, थांबे, चौधरियों ने सर्वसम्मति से निम्नांकित प्रस्ताव पारित किए–

1. सभी खापों के चौधरियों, तपे, थांबों ने इस संघर्ष में देश के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षामंत्री और देश की सेना खापों की जो भी जिम्मेदारी लगायेगी वह पूर्ण की जाएगी। इन परिस्थितियों में खापें पूर्णरूप से आश्वस्त करती है कि लहू का एक–एक कतरा देश के लिए न्यौछावर कर देंगे। सभी ने सर्वसम्मति से इस

प्रस्ताव को पारित किया।

2. 15 मई 2025 को महात्मा चौ० महेन्द्र सिंह टिकैत जी की 14वीं पुण्यतिथि पर जिला मुख्यालयों पर रक्तदान किया जाएगा, जिसे सरकार अपने अधिकृत सरकारी रक्त संस्थाओं से करवाएं और युद्ध की स्थिति में उसे देश के लिए उपयोग में लाया जाए। सभी ने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को पारित किया।

3. देश के खाद्यान्न की स्थिति को देखते हुए सभी खापों ने निर्णय लिया है कि इस आपदा की स्थिति में सरकार को पूर्णरूप से आश्वस्त करते हैं कि देश के किसी भी नागरिक को भूखा नहीं सोने दिया जाएगा। खाद्यान्न की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी रखेंगे। सभी ने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को पारित किया। चौधरी नरेश टिकैत बालियान खाप, चौ अमित बैनीवाल (बैनीवाल खाप) सौदान सिंह थाम्बा हरसोनी, वरुण सहरावत, सहरावत खाप, कमल मित्तल (वैश्य समाज), सुखपाल सिंह चौधरी घणघस खाप, चौधरी शरणवीर सिंह देशवाल खाप, चौधरी संजय कालखंडे खाप, चौधरी प्रमोद पवार दोघट, चौधरी यशपाल सिंह थांबा बिजरोल, चौधरी परमिंदर आर्य श्योराण खाप, चौधरी रविंद्र मलिक थाम्बा गठवाला खाप, चौधरी गजेंद्र सिंह अहलावत अहलावत खाप, अध्यक्षता चौधरी ठाकुर ठाठ सिंह कछवाआ चौबीसी, आयोजक चौधरी सुभाष बालियान सर्व खाप मंत्री।

डी एस पब्लिक स्कूल ने मातृ दिवस पर किया मातृशक्ति को नमन

मुजफ्फरनगर। आज यहां डी एस पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस के अवसर पर जीवन में मां के महत्व का गुणगान करते हुए तथा मां के लिए शीश झुकाते हुए मातृशक्ति को नमन किया गया । कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने लघु नाटिकाओं ,गीत, कविताओं एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा मां के प्रति अपने प्रेम का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर चेयरमैन श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप ने मुख्य अतिथि रूप में एवं जानी मानी प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, डाक्टर रेखा सिंह, सेवा मेडिकेयर तथा डॉक्टर डाक्टर मिताली गोयल, श्री साईं नर्चिग लाईफ , सर्कुलर रोड मुजफ्फरनगर ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होकर मातृशक्ति को नमन करते हुए मंच को सुशोभित किया एवं विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया । स्कूल मैनेजर श्री सुधीर कुमार शर्मा, डायरेक्टर श्रीमती रेणु शर्मा ,एजुकेशन डायरेक्टर श्रीमती संतोष जैन एवं प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा ने मुख्य अतिथि श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप एवं विशिष्ट अतिथि

डॉ रेखा सिंह एवं डॉ मिताली गोयल का बुके देकर स्वागत कियाघ । मुख्य अतिथि शहर चेयरमैन श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप एवं विशिष्ट अतिथि डॉ रेखा सिंह तथा डॉक्टर मिताली गोयल को विद्यालय द्वारा प्रतीक चिन्ह देकर भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मां के प्रति अपनी भावनाओं का प्रदर्शन करते हुए अपनी माता के लिए आकर्षक बधाई पत्र भी बनाकर उन्हें भेंट किए। बच्चों के द्वारा बनाए गए आकर्षक ग्रीटिंग कार्ड पर अपने लिए व्यक्त भावनाएं देखकर माताओं ने बच्चों को गले से लगा लिया। मातृ दिवस पर आयोजित हुए इस विशेष कार्यक्रम में मातृशक्ति को नमन करते हुए एवं मां के प्रति प्रेम एवं समर्पण का प्रदर्शन करते विद्यालय ऑडिटोरियम में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप ने बच्चों की प्रस्तुतियों की प्रशंसा करते हुए सभी उपस्थित माताओं को मातृ दिवस की शुभकामनाएं दीं । कार्यक्रम में विशेष रूप से उन्होंने सीमाओं पर मातृभूमि की रक्षा करने वाले सैनिकों एवं उनकी माताओं को भी नमन किया। उन्होंने विद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसकी तैयारी करवाने वाले सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को भी बधाई दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ रेखा सिंह एवं डॉक्टर मिताली ने भी बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए उन्हें अपना आशीर्वाद दिया। डॉ रेखा सिंह ने उपस्थित माताओं को मातृ दिवस की बधाई देते हुए कहा कि कहा कि बच्चों को प्यार करने के साथ–साथ उन्हें संस्कारित करना भी हमारा कर्तव्य है। विशिष्ट अतिथि डाक्टर मिताली गोयल ने बच्चों के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए विद्यालय टीम को इस कार्यक्रम की आयोजन के लिए साधुवाद दिया।आज आयोजित हुए कार्यक्रम में कक्षा 6 एवं कक्षा 7 की छात्राओं नबा, दीप्ति ,ख्वाहिश , नीलांशी, अवनी ,वैष्णवी, साम्राधया, निहारिका, नव्या ,आराध्या सोनकर, आराध्या ,अक्षिता, विनम, स्तुति ,आराध्या कश्यप ,आरोही, इष्टी एवं आराध्या चौधरी ने ऐसी होती है मां गीत पर प्रस्तुति देकर मां के प्रति अपनी भावनाओं का प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त भानु प्रताप ,आयुष राणा, सिया, मुदिता, अशना, इशिका, बुलबुल मान्या, अदिति, सिमरन, वंशिका, एंजेल शर्मा , हर्षित अग्रवाल एवं प्रियांशी ने लघु नाटिका द्वारा जीवन में माता–पिता की महत्ता को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में शारवी ,अनविक ,वेदिका, वीर एवं विहान ,अतिक्ष ,अथर्व, अश्विनी रिद्धि , अजीम खान तथा दिविषा की मदर्स अनु ,पूनम, रचना ,अनीता, श्रुति ,पूनम चौधरी ,सपना, प्रिया, दीपा, फिजा एवं सुविधा ने अपने बच्चों के साथ शानदार प्रस्तुति देकर सभी को भाव विभोर कर दिया।

बूंद-बूंद पानी के लिए लग रही कतार

प्रयागराज। मुक्ता विहार कॉलोनी नैनी के त्रिवेणी नगर में बीते पन्द्रह दिनों से पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। पानी न मिलने से इस गर्मी में लोग परेशान हैं। घरों के नल सूखे पड़े हैं और बाल्टियां पानी की बूंद गिरने का इंतजार कर रही हैं। लोग किसी तरह आसपास से पानी लाकर काम चला रहे हैं । वैसे तो यहां पानी की समस्या पूरे वर्ष बनी रहती है। लो प्रेशर के कारण घरों में पानी ठीक से नहीं पहुंच पाता लेकिन एक पखवारे से स्थिति विकराल हो गई है। एक बड़ी आबादी बूंद–बूंद पानी के लिए परेशान है।

इसकी शिकायत जलकल एवं नगर निगम के स्थानीय अधिकारियों से करने के बावजूद जिम्मेदारों ने हालात को गंभीरता से नहीं लिया जिससे समस्या विकट हो चुकी है। लोग ट्रॉलियों पर पानी ढो कर ला रहे हैं और किसी तरह गुजारा कर रहे हैं। जहां पानी मिल रहा है वहां डिब्बा–बाल्टी लिए लोगों की कतार लगी रहती है। यहां पहुंचने पर लोगों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि विभाग जलकर वसूली में जरा भी विलम्ब नहीं करता लेकिन पन्द्रह दिनों से यहां पानी का संकट उसकी सुधि कोई नहीं ले रहा है। गर्मी के मौसम में त्रिवेणी नगर के लोग पिछले पंद्रह दिनों से पानी के लिए परेशान हैं। हालात यह है कि लोग सुबह से ही पानी के जुगाड़ में लग जाते हैं, दूसरे मोहल्लों से ट्रॉली से पानी ढोकर लाते हैं और स्टोर कर उसी से घर का काम चलाते हैं, इसके बावजूद पानी की जरूरतें पूरी नहीं हो पाती। जिन घरों में सबमर्सिबल पंप लगा है वहां पानी भरने को भीड़ लगी रहती है। आसपड़ोस के लोग बाल्टी लेकर कतार में अपनी पारी की प्रतीक्षा करते रहते हैं। घरों में पानी न आने से आरओ के पानी की खपत भी बढ़ गई है।

स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत जोन 5 के जलकल के दफ्तर में की तो वहां इसकी जिम्मेदारी त्रिवेणीनगर टंकी के कर्मचारियों पर डाल कर पल्ला झाड़ लिया गया। टंकी के कर्मचारी कहते हैं कि पानी पाताल में चला गया है, कहां से आपूर्ति हो। जाहिर है उनका इशारा भूजल स्तर नीचे खिसकने को लेकर था लेकिन आम नागरिक को इससे कोई सरोकार नहीं, उन्हें तो पानी चाहिए। जल स्तर नीचे चला गया है तो वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि बड़ी आबादी इस गर्मी में पानी के लिए परेशान न हो। लोगों का

कहना है कि विभागीय जिम्मेदारों को समस्या से अवगत कराया गया, स्थानीय पार्षद से कहा गया, मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई गई, इसके बावजूद बड़ी आबादी को पंद्रह दिनों से पानी नहीं मिल रहा है तो पूरी व्यवस्था सवालों के घेरे में आ जाती है। स्कूली बच्चों को भारी पड़ रही पानी की किल्लत पानी तो छोटे बड़े सबकी मूलभूत जरूरत है लेकिन छोटे बच्चों को पानी की समस्या कुछ ज्यादा ही भारी पड़ रही है।

सुबह पानी न मिलने से बच्चे समय से स्कूल नहीं पहुंच पाते। जो बच्चे स्कूल के लिए निकलते हैं उनमें से अधिकतर बिना नहाए सिर्फ मुंह धुलकर स्कूल चले जाते हैं। सुबह से अभिभावक पानी के लिए बाल्टी लेकर निकल पड़ते हैं। उनके लिए बच्चों को स्कूल छोड़ने से ज्यादा जरूरी पानी का इंतजाम करना होता है। कई बच्चे तो परिवार के लोगों के साथ पानी की कतार में लगकर घर की परेशानी में मदद करने में लगे रहते हैं। इस चक्कर में कई बच्चों का स्कूल छूट जा रहा है। लोग कर रहे टैंकर भेजने की मांग एक पखवारे से पानी के लिए परेशान लोग यहां टैंकर से पानी की आपूर्ति करने की मांग कर हे हैं लेकिन कोई मदद अब तक बस्ती में नहीं पहुंच सकी है। लोगों का कहना है कि जिन घरों में सबमर्सिबल पंप लगा है उनकी दरियादिली है कि दूसरों को पानी दे रहे हैं लेकिन समस्या लगातार बनी रहेगी तो वह भी कब तक मदद करेंगे। जब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो जाता तब तक पानी का टैंकर समय–समय पर पहुंचता रहे तो लोगों को कुछ राहत मिलेगी।

पुराने बिजली के पोल हटाए बगैर लग गए नए पोल पिछले दिनों से यहां पुराने बिजली के पोल के स्थान पर नए पोल लगाए गए। नए पोल पर तार भी दौड़ने लगे हैं लेकिन पुराने पोल पहले की तरह अपनी जगह पर खड़े हैं। लोगों ने बताया कि पुराने पोल से तारों को पूरी तरह हटाया नहीं गया है। कुछ पोल तो नाली के दायरे में आ गए हैं जिन्हें हटाना बेहद जरूरी है। पुराने लोहे के पोल के गुजर रहे तार ढीले होकर लटके हुए हैं जिससे कभी भी हादसा हो सकता है।

पन्द्रह दिन से अधिक हो गए घर के नल में पानी आए हुए। हम लोग किसी तरह बाहर से पानी का इंतजाम कर काम चला रहे हैं। पानी न आने से पूरा त्रिवेणी नगर परेशान है, पर कोई सुनने वाला नही है।–श्यामलाल शर्मा गर्मी में घर में पानी न आए तो इससे बड़ी सजा क्या हो सकती है। सुबह उठते ही पानी के जुगाड़ में लग जाते हैं। ठीक से नहाए कई दिन हो गए, कपड़े भी साफ करने में दिक्कत आ रही है।–शैलेन्द्र कुमार पानी न आने से पूरा परिवार परेशान रहता है। खाना पकाने, बर्तन और कपड़े साफ करने के लिए भी जरूरत के मुताबिक पानी नहीं मिल पा रहा है। डिब्बों में पानी भरकर लाते हैं और किसी तरह काम चलाते हैं।–उर्मिला देवी लगातार शिकायत के बाद भी जिम्मेदारों ने समस्या के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई, अधिकारी समस्या को गंभीरता से लेते तो पन्द्रह दिन तक लोगों को परेशान न होना पड़ता, दो दिन में समस्या का निदान हो सकता था।–सुदर्शन सिंह सुबह से बाल्टी–डिब्बा लेकर पानी के लिए निकलना मजबूरी बन गई है। बाहर से पानी ढोकर न लाएं तो घर का काम कैसे चले। सुबह से पूरा परिवार पानी के लिए परेशान रहता है। न जाने कब समाधान होगा।–गोपाल सिंह पूरे वर्ष हम लोग पानी के लो प्रेशर की समस्या से परेशान रहते हैं लेकिन पिछले पन्द्रह दिनों से समस्या काफी जटिल हो गई है। पानी की आपूर्ति ठप पड़ी है, बाहर से पानी लाते हैं तब घर का काम चलता है।–रामजी प्रजापति जिन घरों में सबमर्सिबल पंप लगा है वह लोग पानी न दें तो हमारे घरों के काम ठप हो जाएं। लोगों को पानी मुहैया कराना विभाग की जिम्मेदारी है। विभागीय उदासीनता का खामियाजा आम लोग भुगत रहे हैं।–शारदा प्रसाद शर्मा पानी न आने से घर का काम नहीं हो पा रहा है, सुबह उठते ही पानी की जरूरत शुरू हो जाती है। नल से पानी न आने के कारण सुबह सब काम छोड़कर पानी के लिए निकलना पड़ता है। घर का काम निपटना मुश्किल हो गया है।–रेखा सिंह पंद्रह दिनों से ठीक से पानी नहीं मिल पा रहा है। इलाके के लोग बूंद–बूंद पानी के लिए परेशान हैं। हम लोग न तो ठीक से नहा पा रहे हैं न घर का काम हो पा रहा है। खाना पकाने में भी दिक्कत आती है।–रूबी कुमारी कई दिनों से लोग पानी न आने की शिकायत करते आ रहे हैं लेकिन समाधान तो दूर कोई जिम्मेदार यहां झांकने भी नहीं आया। गर्मी में पानी न मिलने से लोग परेशान हैं, कूलर की टंकी भी नही भर पाते।–अंजू शर्मा पंद्रह दिन से अधिक हो गए घर के नल में पानी आए हुए। महिलाओं और बच्चों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। पानी के बगैर पूरे घर का सिस्टम बिगड़ गया है। सुबह से पानी की चिंता सताने लगती है।–मिथलेश शर्मा पानी संकट की शिकायत स्थानीय जिम्मेदारों से करने के बाद भी समस्या का निदान नहीं हो पाया। अधिकारी और जनप्रतिनिधि जरा भी गंभीर होते तो यहां के लोगों को इतने दिनों तक पानी के लिए परेशान न होना पड़ता।–शिवम शर्मा त्रिवेणी नगर के लोग पानी के लिए परेशान हैं। सुबह से पानी के लिए लोगों की दौड़–भाग शुरू हो जाती है। गर्मी में पानी न मिलने से लोगों का हाल बेहाल हो गया है। टैंकर भेजा जाय तो काफी राहत मिल सकती है।–अभिषेक शर्मा

- पन्द्रह दिनों से लोगों के घरों में पानी नहीं आ रहा है।
- पूरे वर्ष लो प्रेशर की समस्या बनी रहती है।
- नए पोल लगाने के बाद पुराने बिजली के पोल हटाए नहीं गए हैं।
- सड़क एवं गलियां कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गई हैं।
- ट्यूबवेल पर नई और उच्च क्षमता की मोटरें लगाई जाएं।
- क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों को ठीककर पानी का प्रेशर बढ़ाया जाए।
- पुराने लोहे के पोल को हटाकर उस पर दौड़ रहे तारों को नए पोल से जोड़ा जाए।
- क्षतिग्रस्त सड़क एवं गलियों को चिह्नित कर उसकी मरम्मत की जाए।

पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी ने मनाया दसवाँ स्थापना दिवस

तेजपुर। पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी असम (भारत) द्वारा मारवाड़ी पंचायती धर्मशाला में दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ राष्ट्रीय संगोष्ठी, बहुभाषी कवि सम्मेलन तथा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। सुधाकर पाठक की अध्यक्षता में कार्यक्रम का संचालन मनीषा पॉल तथा पूजा सुनुवार ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में असम नेपाली साहित्य सभा के अध्यक्ष डॉ. चिंतामणि शर्मा मंच पर विराजमान थे। उनके कर कमलों से दीप प्रज्ज्वलित किया गया तथा काव्याश्री ने अपनी मधुर आवाज में सरस्वती वंदना किया। संस्थापिका रीता सिंह 'सर्जना' ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था के बारे जानकारी देते हुए कहा कि पूहिंसाअ ने सदैव हिंदी भाषा के जरिए अपनी भाषा साहित्य संस्कृति का संरक्षण किया है। अकादमी के दसवें स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि डॉ चिंतामणि शर्मा ने अकादमी के कार्य को सराहते हुए कहा अकादमी सही ट्रेक पर चल रही है।

दिल्ली से पधारे हिंदुस्तानी भाषा अकादमी के अध्यक्ष सुधाकर पाठक ने हिंदीत्तर प्रदेश क्षेत्र में हिंदी के प्रचार–प्रसार में लगी अकादमी के कार्यों की भूरी–भूरी प्रशंसा की। इस अवसर पर निशा मित्तल और दिव्या राजेश्वरी द्वारा संपादित 'कहे–अनकहे शब्दों का कैनवास' साझा कहानी संकलन का लोकार्पण किया गया तथा सारस्वत सम्मान समारोह –2025 का सम्मान कला/साहित्य/पत्रकारिता एवं सामाजिक योगदान हेतु प्रदान किए गए। प्रथम दिवस के कार्यक्रम में हाल ही में दिवंगत हुए असम के जाने माने नेपाली साहित्यकार पद्मश्री लील बहादुर क्षत्री, विशिष्ट साहित्यकार एवं पत्रकार रविकांत नीरज और आतंकी हमले में

अपना जीवन खोने वाले यात्रियों के शांति हेतु 1 मिनट का मौन रखा गया। तेजपुर के कलाकार राजेश सरकार की 29 पेंटिग की प्रदर्शनी रखी गई। प्रोफेसर स्नेहलता नेगी ने इसका उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी श्भारतीय भाषा और लोक साहित्यश विषय पर रखा गया जहाँ दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. स्नेह लता नेगी संगोष्ठी अध्यक्ष, बीज वक्ता के रूप में राजभाषा अधिकारी गुम्पी लोम्बी डूसो, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरूणाचल प्रदेश से विराजमान थी तो वही सह– संयोजक के रूप में डॉ. गोमा देवी शर्मा, तेजपुर विश्वविद्यालय उपस्थित थी। मुख्य अतिथि के रूप हिंदुस्तानी भाषा अकादमी के अध्यक्ष, दिल्ली से मंच पर आसीन थे। इसके बाद बहुभाषी कवि सम्मेलन रखा गया जहाँ देश के कई जाने–माने कवियों ने हिस्सा लिए। दिल्ली से किशोर श्रीवास्तव,सुधाकर पाठक,प्रो. स्नेहलता नेगी, विनोद पाराशर, तूलिका सेठ, कानपुर से डॉ जय प्रकाश प्रजापतिश्अंकुश कानपुरीश, गुवाहाटी से दिल्स लक्ष्मीन्द्र सिन्हा,किशोर जैन, विश्वनाथ से हरि लुईटेल,मनिषा पॉल, अरूणाचल प्रदेश से कागो मादो, तेजपुर से उषाकिरण टिबड़ेवाल,मिनुमा बोड़ो, दीपक रिजाल, सागर सापकोटा, निभा दास, मौसमी महंत,रिजू देवी, चित्रामणि बोड़ो,रीता सिंह श्सर्जनाश ने काव्य पाठ किया। अंत में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। जहाँ बिहू नृत्य सहित शास्त्रीय नृत्य –सत्रिया नृत्य तथा नेपाली लोकनृत्य पेश किए गए।

किशोर श्रीवास्तव ने नेपाली गाने गाकर सबका ध्यान आकृष्ट किया। दूसरे दिन समापन समारोह पर कला साधक विनोद खनाल और समाज सेविका मिनुमा बोड़ो को अभिनंदन किया गया। दो स्मृति सम्मान क्रमशः श्रीमती वसुन्धरा देवी शर्मा को नीलिमा देवी स्मृति सम्मान–2025 एवं नगद राशि 5100/– उनके सामाजिक और साहित्यिक योगदान हेतु प्रदान किया गया। बोड़ो और हिंदी भाषा के योगदान के लिए बोड़ो कथाकार जयश्री बोड़ो को तेज बहादुर सुनुवार स्मृति सम्मान–2025 एवं नगद राशि 5100/– से सम्मानित किया गया। हिंदी गौरव सम्मान क्रमशः किशोर श्रीवास्तव और सुधाकर पाठक को, हिंदी सेवी सम्मान डॉ नंदिता दत्त को, हिंदी मित्र सम्मान –किशोर जैन को, पूर्वोत्तर सृजन सम्मान क्रमशः विनोद पाराशर, डॉ. जय प्रकाश प्रजापति श्अकुंश कानपुरी श और मानव दे को, पूर्वोत्तर सृजन कला सम्मान राजेश सरकार तूलिका सेठ को, पूर्वोत्तर सारस्वत सम्मान क्रमशः प्रो. स्नेहलता नेगी, सुवर्णलता महन्त, लक्ष्मण अधिकारी को पूर्वोत्तर पत्रकारिता रत्न सम्मान क्रमशः जयप्रकाश अग्रवाल और पुलक डेका को प्रदान किया गया।

इसी के साथ हिंदी दिवस पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सन्मानित किया गया। आलेख लेखन में प्रथम कागो मादो और द्वितीय स्थान पर डॉ. नंदिता दत्त को पुरस्कृत किया गया। अंत में संस्थापक अध्यक्ष रीता सिंह सर्जना ने अपने उद्बोधन में अकादमी के दस वर्ष के सफर में सफलता पूर्वक साथ चलने वाले सभी साथियों को इसका श्रेय दिया एवं उपस्थित सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में हरीश कडाकोटी ने पाया जनपद में पहला स्थान

रामनगर। पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 8 नवम्बर को आयोजित की गई थी। बता दें कि यह परीक्षा गायत्री तीर्थ शान्तिकुंज हरिद्वार के आयोजकत्व एवं संस्कृत विभाग के समन्वयन और डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल के संयोजकत्व में सम्पन्न हुई थी।इसमें सहयोग करने वाले प्राध्यापकों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतिभागी छात्र– छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रोफेसर एम. सी. पाण्डे एवं डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र के उद्घाटन से हुआ।मुख्य अतिथि प्राचार्य एवं वक्ता द्वारा डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल,डॉ.

योगेश चन्द्र,डॉ. दीपक खाती,डॉ. सुभाष पोखरियाल,डॉ. कृष्णा भारती,डॉ. नितिन ढोमणे,डॉ. मुरलीधर कापडी इन प्राध्यापकों के सम्मान में प्रशस्तिपत्र प्रदान किया गया। अतिथियों द्वारा इस परीक्षा में जनपद में प्रथम स्थान पर रहे प्रतिभागी हरीश कडाकोटी को नगद राशि एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रोफेसर एम. सी. पाण्डे ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा जीवन के सर्वाङ्गीण विकास के लिए अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है।क्योंकि इसके माध्यम से छात्र–छात्राओं में संस्कृत के अन्तर्गत भारतीय संस्कृति एवं संस्कार आदि के ज्ञान के साथ आत्मसात् कर आचरण और व्यवहार में उनके गुणों के झलकने से उसकी सार्थकता सिद्ध होने की बात कही। समारोह में अतिथियों ने अन्य प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए,उनमें जीतेन्द्र सिंह रावत,सपना पाण्डे,हर्षिता जोशी,रोहित खत्री,निकिता रावत, अंकिता नेगी,शीतल,विनीता रावत,दिव्या आर्या,दीक्षा जोशी, निर्मला,हिमांशी वल्दिया,गरिमा जोशी,आकांक्षा रावत,लक्ष्मी बोरा, माया,रेनू,महिमा बोरा,हिमानी सेन, साक्षी खुल्बे,सरिता धोनी,मनोज कुमार रहे।

कार्यक्रम संयोजक प्रभारी संस्कृत विभाग डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल द्वारा भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा की रूपरेखा और वैशिष्ट्य प्रस्तुत किया गया।इनके द्वारा कार्यक्रम का संचालन एवं अन्त में मुख्य अतिथि सहित सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इसमें विविध प्राध्यापक एवं जिज्ञासु विद्यार्थी उपस्थित रहे।चीफ प्रॉक्टर प्रो. एस.एस. मौर्य,डॉ. पुनीता कुशवाहा,डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र,डॉ. लोतिका अमित,डॉ.अलका एवं डॉ. शंकर मंडल आदि।

जोगी जाति श्रेष्ठ, जनगणना सर्वश्रेष्ठः रविन्द्र प्रधान जोगी

जलालाबाद (शामली)। थानाभवन विधान सभा क्षेत्र के गांव अम्बेहटा याकूबपुर गांव में संजय जोगी के निवास पर श्एक चाय मुलाक़ात की, पहल बदलाव की श कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग सपा के प्रदेश उपाध्यक्ष रविन्द्र प्रधान जोगी ने गांव के जोगी समाज के समक्ष केंद्र सरकार द्वारा जाति जनगणना पर वार्ता की, जिसमे रविन्द्र प्रधान जोगी ने कहा की ब्लॉक क्षेत्र के 10 गांव से हर 8 (आठ) गांव में पूरे देश में जोगी जाति वास करती है, जिस पर शिव अवतार महायोगी गुरु गोरख नाथ,ऋषि– मुनि,संत,आदि के पराक्रमि आशीर्वाद रहें है, जिस जोगी समाज के व्यक्तित्व की छवि को शिक्षा क्षेत्र में उपदेश देने की उपाधि आदिकाल से मिली हो, देश दुनियाँ के भले के लिए सब कुछ त्याग करने वाले वंशज़

से संम्बंध रखने वाली जोगी जाति श्रेष्ठ है, मगर जनगणना बिना अधूरी है, जाति जनगणना सर्वश्रेष्ठ है,शर्मा, भारद्वाज, उपाध्याय, वत्स, वशिष्ट, पुरी, भारती, योगी,एवं गौत्र सम्बन्धित कोई जाति सूची नहीं है, न हिन्दू जोगी, न मुस्लिम जोगी से है,सविधान के अनुसार पिछड़ा वर्ग में भी जोगी, नाथ ओर सिद्ध के नाम से ही जाति अंकित है, सभी जोगी समाज के व्यक्तियों से अपनी जाति जोगी लिखने के लिए कहा, रविन्द्र प्रधान जोगी ने भारत पाकिस्तान युद्ध में शहीद होने वाले वतन के फौजीयों को जोगी समाज की ओर से मोन धारण कर श्रद्धांजलि दी, साथ रहें सपा नेता मो. हम्माद,संजय जोगी, राजकुमार जोगी, रोबिन जोगी,सुरेश जोगी, ओम सिंह जोगी, राजकुमार धीवर, मोनू जोगी आदि उपस्थित रहें!!

एसडी पब्लिक स्कूल में मनाया गया मदर्स डे

मोरना। ककरौली मे जानसठ मार्ग पर स्थित एस डी पब्लिक स्कूल मे मदर्स डे मनाया गया जिसमें विद्यालय की –छात्राओं ने नृत्य, गीत–गायन, कविताएं आदि गतिविधियों की शानदार प्रस्तुति पेश कर माताओं के लिए प्रेम व्यक्त किया। यूकेजी कक्षा के छात्र–छात्राओं ने डांस के जरिए अपने तरीके से मां के प्रति प्यार

जताया।वहीं मातृ दिवस के अवसर पर कार्ड व पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें आशु, राधिका, रितु, अनन्या, खुशी, विधि, लक्ष्मी, अस्मिता, अनुष्का ने प्रतिभाग लिया। समापन पर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।विद्यालय की प्रधानाचार्य अंजू शर्मा ने बताया कि माँ का हमारे जीवन में महत्व बहुत अधिक होता है। वह न केवल हमें जन्म देती है बल्कि हमारी पहली गुरु, दोस्त, और संरक्षक भी होती है। विद्यालय डायरेक्टर केपी सिंह जी कार्यक्रम में उपस्थित रहे व बच्चों को हमारे जीवन में मां के महत्व को समझाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का सहयोग सराहनीय रहा।

प्रोग्रेसिव पब्लिक स्कूल में मनाया गया मदर्स डे

भगवान से बड़ी होती है मां: निर्देशक अविचल द्विवेदी

प्रयागराज। शहर के राजरूपपुर में मदर्स डे मनाया गया विद्यालय के निदेशक अविचल द्विवेदी ने कहा कि हम सब ने अपने जीवन में भगवान् को नहीं देखा है लेकिन माँ को देखने की बाद लगा की यह भगवान् से भी बेहतर है विद्यालय परिवार के बच्चों एवं उनकी माताओं ने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से माँ और बच्चे के बीच के रिश्ते को बहुत सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्ज्वालन से हुआ उसके पश्चात माताओं व बच्चों के कार्यक्रम हुए। निर्णायक मंडल में श्रीमती उमा तिवारी एवं श्रीमती सौम्या चड्ढा रहे। जिन्होंने प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार की घोषणा की। अभिभावकों एवं अतिथियों का स्वागत विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती संगीता तिवारी ने किया एवं कार्यक्रम का संचालन कॉर्डिनेटर श्रीमती ज्योति शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अनीता मित्रा, आयुषी रावत, साक्षी शुक्ला, दीपशिखा सिंह, शिवानी सिंह, अनुष्का मिश्रा, आदि उपस्थित रहे।

दुश्मन देश के पक्ष में लगाया स्टेटस, गिरफ्तार

मोरना। गांव मोरना निवासी युवक ने प्रधानमंत्री के खिलाफ व्हाट्सएप के स्टेटस लगा दिया। जिससे क्षेत्रवासियों में रोष व्याप्त हो गया पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया। भोपा थाना प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव मोरना मे नई बस्ती निवासी सावेज पुत्र सलामत ने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोध कि पाकिस्तान की एक वीडियो अपने व्हाट्सएप्प स्टेटस पर चला रखी थी जिससे सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने व भय का माहौल पैदा करने व देशवासियों की भावनाओं को आहत करने के उद्देश्य तथा पुलवामा हमला व पहलगाम हमले को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कराया गया बताया गया था की वीडियो अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर लगा दी आरोपी युवक सावेज पुत्र सलामत के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। युवक शाहवेज अंसारी द्वारा की गयी हरकत से ग्रामीणों मे रोष व्याप्त है।

मदर्स प्राइड स्कूल में मदर्स डे हर्षोल्लास से मनाया गया

मुजफ्फरनगर। शनिवार को मदर्स प्राइड स्कूल, मुज़फ्फरनगर द्वारा सर्विसेज क्लब , प्रकाश चौक में मदर्स डे के अवसर पर एक भव्य और संगीतमय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृत्व के उस निस्वार्थ प्रेम और समर्पण को सम्मान देना था, जो हर मां अपने बच्चे के लिए रखती है।

कार्यक्रम की शुरुआत डायरेक्टर डॉ रिंकू एस गोयल द्वारा मेहमान श्रीमती स्मृति गोयल के स्वागत और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए एक सुंदर स्वागत भाषण दिया गया, जिसमें माताओं के योगदान और महत्व को हृदय से सराहा गया। एक प्रसिद्ध गायक कुशल जी द्वारा सुरमयी संगीत प्रस्तुति ने माहौल को संगीतमय बना दिया।

इसके पश्चात माताओं के लिए "गेस योर चाइल्ड नेम " जैसे रोचक खेल प्रस्तुत किए गए, जिसने सभी दर्शकों का मन मोह लिया।

इसके बाद विशेष आकर्षण के रूप में "मॉम एंड मी कांटेस्ट' का आयोजन किया गया, जिसमें

माताओं और उनके बच्चों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता ने सभी का ध्यान खींचा और रिश्ते की खूबसूरती को दर्शाया।

स्कूल की डायरेक्टर डॉ रिंकू एस गोयल जी ने मातृत्व की गरिमा पर प्रकाश डालते हुए एक प्रेरणादायक भाषण दिया। तत्पश्चात गायक द्वारा कुछ मनोरंजक खेल आयोजित किए गए, जिनमें माताओं ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया और जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम का समापन एक मजेदार खेल के साथ हुआ, जिसमें सभी उपस्थितजन शामिल होकर हँसी और खुशी के पल साझा किए।

कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति के रूप में मदर्स प्राइड की शिक्षिकाओं ने भी माताओं के सम्मान में एक सुंदर नृत्य प्रस्तुति दी। इस भावनात्मक नृत्य ने सभी माताओं के चेहरे पर मुस्कान ला दी और यह दर्शाया कि स्कूल का प्रत्येक सदस्य माताओं के प्रति आभार और प्रेम प्रकट करना चाहता है। शिक्षिकाओं का यह समर्पण दर्शकों के दिलों को छू गया और वातावरण तालियों की गूंज से गूंज उठा।

यह दिन माताओं के लिए समर्पित एक स्मरणीय अनुभव बन गया। स्कूल परिवार ने सभी माताओं को उनके निस्वार्थ प्रेम और समर्पण के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

मदर्स प्राइड परिवार ने सभी माताओं को धन्यवाद दिया और वादा किया कि हर वर्ष उन्हें इसी स्नेह और सम्मान के साथ यह दिन समर्पित किया जाए।

देशभक्त किसान नेता धर्मेंद्र मलिक का हिंदू संगठनों ने किया अभिनंदन

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक द्वारा भारतीय सैनिकों के लिए 51 लाख रुपए, 1000 कुंतल गेहूं व 5000 यूनिट ब्लड देने की घोषणा पर आज संयुक्त हिंदू मोर्चा के तत्वाधान में अनेक हिंदू संगठन,सामाजिक व व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उनके आवास पर पहुंचकर उन्हें भगवा पगड़ी व पटका पहनाकर उनका अभिनंदन किया।

आज शिवसेना व संयुक्त हिंदू मोर्चा के दर्जनों प्रतिनिधि उनके निवास स्थान पर पहुंचे और इनका अभिनंदन करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा के लिए लड़ रहे जवानों के लिए इनकी घोषणा बहुत ही सराहनीय है एक और जहां किसान परिवारों के युवक सेना के रूप में देश की सरहदों की रक्षा कर रहे हैं वही किसान नेता धर्मेंद्र मलिक ने यह घोषणा करके राष्ट्रभक्ति का परिचय दिया है इनके इस पुनीत कार्य मे हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता भी इनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करेंगे।

इस अवसर पर भारतीय

किसान यूनियन अराजनीतिक के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मालिक ने कहा कि आज सभी संगठनों ने आकर जो हमारा हौसला बढ़ाया है वह सभी बधाई के पात्र हैं जनपद के हिंदू व सामाजिक संगठनों ने जब भी आवश्यकता पड़ी किसान आंदोलनो में हमारा साथ दिया व किसान आंदोलनो में भागीदारी रही है हिंदू संगठनों का हमेशा ही किसान आंदोलन में विशेष सहयोग रहा है इस अवसर पर मुख्य रूप सेरू– संयुक्त हिंदू मोर्चा अध्यक्ष मनोज सैनी,डॉक्टर योगेंद्र शर्मा प्रदेश महासचिव शिवसेना, लोकेश सैनी मंडल अध्यक्ष शिवसेना,पंकज भारद्वाज हिंदू जागरण मंच, हरिओम त्यागी अध्यक्ष त्यागी महासभा, अनूप सिंह राठी मंत्री आर्य समाज,बागेश् अग्रवाल प्रदेश अध्यक्ष हिंदू महासंघ, मुकेश आर्य प्रधान आर्य समाज,शलभ गुप्ता अध्यक्ष संयुक्त व्यापार संघ,अखिलेश पुरी जिला प्रभारी संयुक्त हिंदू महासंघ, अजय कुमार विश्व हिंदू परिषद, अमरीश त्यागी मंडल उपाध्यक्ष शिवसेना, राजू सैनी राष्ट्रीय महासचिव साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट, पुष्पेंद्र सैनी मंडल उपाध्यक्ष शिवसेना,दिनेश गोयल प्रदेश सचिव उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल , विकास अग्रवाल पूर्व नगर अध्यक्ष बजरंग दल, आशीष शर्मा नगर अध्यक्ष हिंदू क्रांति सेना, संजय गोयल मंडल उपाध्यक्ष शिवसेना, सचिन जोगी सनातनी हनुमान सेना,अखिलेश शर्मा जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय परशुराम परिषद, हरीश पालीवाल जिला अध्यक्ष हिंदू महासंघ, मनोहर चौधरी आदि उपस्थित रहे।

न्यू वैल्किन पब्लिक स्कूल में मनाया गया मातृ दिवस

भोपा। जट मुझेड़ा स्थित न्यू वैल्किन पब्लिक स्कूल मे मातृ दिवस माताओं के त्याग और बलिदान के सम्मान में उल्लास पूर्ण ढंग से मनाया गया।कार्यक्रम मे राज्य मन्त्री सहित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर व पुष्प अर्पित कर किया गया। सर्वप्रथम अरमन कौर व करमन कौर ने मां सरस्वती की वंदना में एक सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। "मेरी प्यारी मां "गाने पर काकुल, ईशानी, रूही ,अनुष्का, प्रियांशी ,अवनी चौधरी, तुलसी, आराध्या राठी आदि छात्राओं ने मन को मोह लेने वाला नृत्य प्रस्तुत किया। कक्षा एलकेजी की छात्रा अनाया व यूकेजी की छात्रा वाणी और अवनीत कौर ने सुंदर कविता पाठ किया।"तू ही तो जन्नत मेरी" गाने पर युवराज, अवनी चौधरी, तान्या चौधरी, वाणी सैनी, राधिका, ऋषिका, हादया, तृप्ति, पलक, काव्या सिंह, अरनव आदि ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। कक्षा आठवीं की छात्राओं

ने मातृ दिवस पर एक सुंदर लघु नाटिका प्रस्तुत की। जिसमे सांची, निधि, मानवी आदि ने भाग लिया। कक्षा 6 से 12वीं तक के बच्चों ने मातृ दिवस पर माता के लिए सुंदर–सुंदर ग्रीटिंग कार्ड बनाएं। और अपने माता के लिए अपने प्यार और प्रशंसा को व्यक्त करने वाले भाषण दिए। कुछ बच्चों ने अपने माता के लिए नृत्य और संगीत की प्रस्तुति भी दी । अध्यापिका मोनिका सिंघल ने माताओं के लिए' सुंदर गीत प्रस्तुत किया ।"तू कितनी अच्छी है, तू कितनी प्यारी है' गाना कक्षा आठवीं की छात्रा निधि ने गाकर सभी दर्शकों का मन मोह लिया । प्राइमरी सेक्शन और प्रथम से लेकर पांचवी कक्षा तक के छात्र – छात्राओं की माताओं को रंगारंग कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया।

राज्य मंत्री कपिल देव जी ने माताओं के महत्त्व के बारे में अपने विचार प्रकट किये कैप्टेन प्रवीण चौधरी ने बताया कि सभी माताए बच्चो के खान पान पर ध्यान दे ृ उन्हें पौस्टिक खाना खिलाये समाज सेवक अमित पटपटिया ने बताया कि माताओं को अपने बच्चो में अच्छे संस्कार देने चाहिए जिससे कि वे बड़ो का सम्मान करे ृ विद्यालय के उपाध्यक्ष के के आनंद ने मातृ दिवस के विषय में जानकारी देते हुए बच्चों को मां की ममता के महत्व के बारे में बताया कि मां के समर्पण को कभी भुलाया नहीं जा सकता तथा सभी माताओं को धन्यवाद दिया । कार्यक्रम को सफल बनाने में रीना चौधरी, मीना त्यागी, मोनिका सिंघल, सोनिया जैन श्रद्धा व विद्यालय के समस्त शिक्षकों– शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

पी.आर.पब्लिक स्कूल में उत्साह के साथ मनाया गया मातृ दिवस

'मांगने पर जहाँ पूरी हर मन्नत होती है,'

'माँ के पैरों में ही तो वो जन्नत होती है।'

मुजफ्फरनगर। पचेंडा रोड स्थित पी.आर.पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस के अवसर पर अनेक प्रतियोगिताओं और रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किंडर गार्डन के बच्चों द्वारा अपनी मां के लिए बहुत ही सुंदर और आकर्षक गुलदस्ते पेपर कार्ड से बनाए गए। बच्चों ने अपनी शिक्षिकाओं और माताओं को अपने हाथों से बने गुलदस्ते उपहार स्वरूप भेंट किये।कक्षा 3 से 5 तक के छात्र–छात्राओं ने अपनी मां, दादी, शिक्षिकाओ के लिए बहुत ही मनभावन और भावुक कर देने वाली कविताओं की प्रस्तुति दी। कक्षा 6 से 12 तक के छात्र– छात्राओं ने मां के प्रति अपने भावों को गीतों के माध्यम से गाते हुए सभी उपस्थित जनों को भाव–विभोर कर दिया। इस अवसर पर स्कूल निदेशक अनघ सिंघल जी ने अपने विचार रखते हुए कहा–मां ही वह इंसान होती है जो बिना किसी स्वार्थ के अपने बच्चों से प्यार करती है. वह अपने परिवार के लिए हर पल मेहनत करती है और हर कठिनाई में बच्चों का साथ देती है. इसलिए यह दिन उनकी मेहनत और प्यार को सराहने का एक मौका है। स्कूल प्रबंधक अशोक सिंघल जी ने बच्चों की मनभावन आकर्षक और भाव विभोर कर देने वाली प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहामाँ बच्चों की पहली गुरु होती है, जो उन्हें जीवन के हर पड़ाव पर सही दिशा दिखाती है।

उन्होंने माताओं के प्रेम, त्याग और समर्पण की सराहना करते हुए विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने जीवन में अपनी माँ का सदा सम्मान करें और उनके प्रति कृतज्ञ रहें। मातृ दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संचालन में प्रवीण कुमार , दिव्या शर्मा, राखी पाल, दीपक मलिक, चेतन मल्हान, अनुपम सैनी, शिखा ठाकुर आदि का विशेष योगदान रहा।

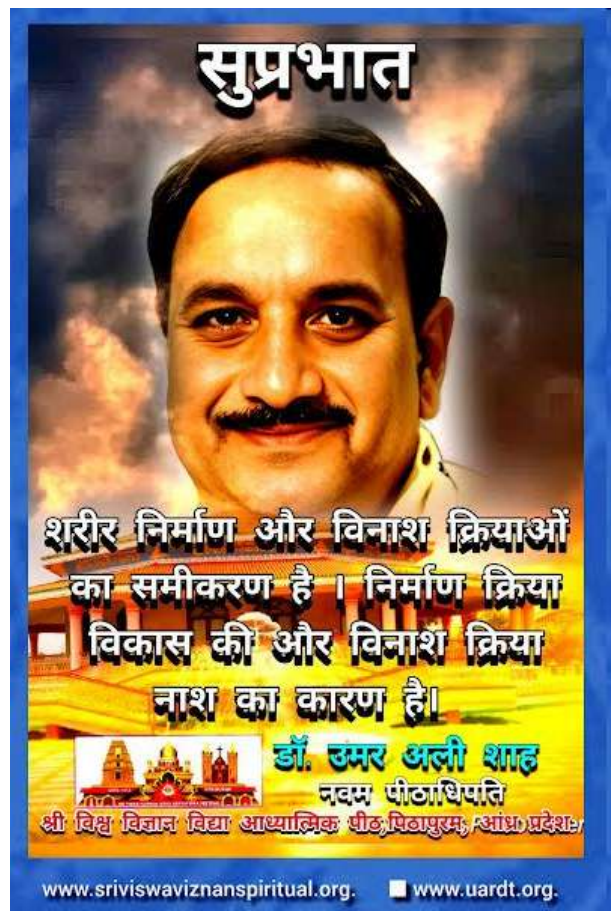

गा रहे उपवन–महिमा

(कुण्डलिया)

दिल को दिल के पास ला, कटुता में भर नेह।
तिक्त मधुर संवाद ने, किया दूर संदेह।
किया दूर संदेह, बता रिश्तों की गरिमा।
आकर सभी करीब, गा रहे उपवन–महिमा।
सुन लो कहें प्रदीप,अगर पानी है मंजिल।
सुनिए उसकी बात,रहे जो हरदम खुशदिल।।

दिल में उपजा जब कभी, संशय का संसार।
बदल गया संवाद का, नेह, प्रेम व्यवहार।
नेह, प्रेम व्यवहार, जो लाते हैं खुशहाली।
इनके बिन परिवार, हमेशा लगता खाली।
सुन लो कहें प्रदीप,न कहना उनको कातिल।
जिनकी सख़्त ज़बान, जोड़ती है दिल से दिल।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

केंद्रीय कैबिनेट मंत्री चिराग पासवान से अतुल जिंदल ने की मुलाकात

प्रदेश मीडिया प्रभारी बनाए जाने पर जताया हर्ष

मथुरा। लोक जन शक्ति पार्टी रामविलास के प्रधान महासचिव राजीव मोहन गोयल ने प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा की संस्तुति पर लोक जन शक्ति पार्टी (रामविलास) में अतुल कुमार जिंदल को उत्तर प्रदेश के मीडिया प्रभारी नियुक्त किया। जिसके बाद अतुल कुमार जिंदल ने नई दिल्ली में खाद्य प्रसंस्करण एवं उद्योग मंत्री एवं लोक जन शक्ति पार्टी रामविलास के

राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान से मुलाकात कर हर्ष जताता।मुलाकात के दौरान पार्टी के प्रधान महासचिव राजीव गोयल और प्रदेश मीडिया प्रभारी अतुल जिंदल ने जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेषित ज्ञापन द्वारा देश के पत्रकारों पर हो रहे उत्पीड़न को रोकने और उनके हितों को सुरक्षित करने की मांग की। मांग पत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, पत्रकार सुरक्षा कानून, पत्रकारों के बच्चों के लिए निजी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड जैसी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ, 20 लाख का बीमा, सरकारी आवासीय कॉलोनी, फर्जी मुकदमों की निष्पक्ष जांच, जिला स्तरीय समिति द्वारा कार्रवाई से पहले सुनवाई और भारतीय रेलवे में विशिष्ट कोटा जैसी मांगें शामिल थीं। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पत्रकारों की समस्याओं को संसद में उठाने का आश्वासन दिया। पार्टी को उत्तर प्रदेश में मजबूत बनाने के लिए पार्टी की विचार धारा को जन जन तक पहुंचाने को लेकर चर्चा की गई।

हम तैयार हैं

हां, हम सतर्क हैं,तैयार हैं

हमारी ताकत हथियार हैं ।

नभ में, जल में और थल में
शत्रु को नष्ट कर दें पल में
सैन्य शक्ति हमारा बल है
साहस सैनिकों में प्रबल है
कमतर न कभी आंको हमको

हर मोर्चे पर तैयार हैं
हां हम सतर्क हैं,तैयार हैं।

उड़ रहा देखो वायुयान
लक्ष्य उसका इक अभियान
निज कर्त्तव्य पथ पर बढ़ रहा
साथी उसका है स्वाभिमान
विजयी होकर वह आएगा

हम स्वागत को तैयार हैं
हां,हम सतर्क हैं, तैयार हैं।

विजया गुप्ता 'सुवर्ण किंशुक'

सम्पादकीय.....

सतर्कता और रणनीति

भारत ने पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर व पाकिस्तान में सिर्फ आतंकी शिविरों तक सटीक सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया था, जिसको लेकर गुरुवार को विपक्ष ने सरकार के साथ एकता और संकल्प का परिचय दिया। हालांकि, दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय तनाव कायम है। पाकिस्तान ने सभी कायदे कानून ताक पर रखकर नागरिकों व सार्वजनिक स्थलों को निशाना बनाना जारी रखा है। हालांकि, भारत ने मजूबत सुरक्षातंत्र के बूते अपने पंद्रह शहरों पर दागी गई लक्षित मिसाइलों को बेअसर कर दिया है। प्रतिक्रिया स्वरूप भारत ने पाक के कुछ सैन्य ठिकानों व लाहौर की प्रमुख वायु रक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ने स्थिति की गंभीरता को ही रेखांकित किया। इस स्थिति को बेहद संवेदनशील बताते हुए उन्होंने संस्थागत तालमेल और नागरिक सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर बल दिया। दरअसल, इस स्थिति में सरकार की प्राथमिकताओं में नागरिक सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करना, गलत सूचनाओं का मुकाबला करना और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा करना और किसी भी हमले का तत्परता से मुकाबला करना शामिल है। निस्संदेह, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल और परिचालन में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिये मंत्रालयों को निर्देश साइबर हमलों और गलत सूचना अभियानों सहित हाइब्रिड खतरों की एक गंभीर समझ को ही दर्शाता है। गुरुवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा सर्वदलीय बैठक में विस्तृत जानकारी देना इस दिन का महत्वपूर्ण घटनाक्रम था। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में कम से कम सौ आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि की। विपक्ष खासकर कांग्रेस और एआईएमआईएम ने सराहनीय परिपक्वता दर्शायी। वे तमाम राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर राष्ट्रीय हितों के साथ खड़े नजर आए। राजनीतिक सहमति का यह दुर्लभ क्षण घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को एक सशक्त संदेश देता है। यह भी कि जब भी भारत की संप्रभुता को चुनौती मिलती है इसका राजनीतिक ताना–बाना और मजबूत होता है। जबकि, तनाव की तसवीर अभी डराने वाली हैं। जिसको हल्के में नहीं लिया जा सकता। हालांकि, भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि उसका इरादा तनाव बढ़ाने का नहीं है। लेकिन जवाबी कार्रवाई के लिये पूरी तरह तैयार है। इसलिए रणनीतिक संयम को विश्वसनीय प्रतिरोध के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। निस्संदेह,अब सामरिक जीत से हटकर रणनीतिक स्थिरता पर जोर दिया जाना चाहिए। आने वाले दिनों में नागरिक सुरक्षा, कूटनीतिक संदेश और आंतरिक सुरक्षा पर लगातार ध्यान देने की आवश्यकता होगी। भारत को सुरक्षा प्राथमिकताओं से समझौता किए बिना वैश्विक भागीदारों को जानकारी देना जारी रखना चाहिए। साथ ही अपने नागरिकों से पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए। निस्संदेह, ऑपरेशन सिंदूर के जारी रहने के बावजूद, एकीकृत राजनीतिक रुख और संस्थागत सतर्कता बाहरी खतरों के सामने लोकतांत्रिक लचीलेपन का एक आदर्श प्रस्तुत करती है। इसके अतिरिक्त देश के सीमावर्ती इलाकों के ग्रामीण की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से बौखलाए पाकिस्तान ने हताशा में जम्मू–कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर मौत और विनाश का तांडव मचाया है। पुंछ सेक्टर में भारी गोलाबारी में 13 नागरिकों की जान चली गई। वहीं सीमावर्ती इलाके के गांवों में बड़ी संख्या में घर क्षतिग्रस्त हो गए। पाकिस्तान ने पहलगाम हमले के बाद उस संघर्ष विराम का उल्लंघन कर दिया है जिसे 2021 में नये सिरे से लागू किया गया था। पाकिस्तान सेना ने बेशर्मी से नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाया है। जबकि भारतीय सेना ने अपनी जिम्मेदारी के साथ हमलों को पाकिस्तान और पीओके में आतंकी बुनियादी ढांचे के स्थलों तक ही सीमित रखा था। यह तय है कि भारत की सधी और नियंत्रित कार्रवाई ने पाक के साथ–साथ उसके क्षेत्र से संचालित होने वाले आतंकी संगठनों को हिलाकर रख दिया है। निस्संदेह, भारत ने पड़ोसी पाक को बता दिया है कि भारत आतंकवाद के प्रति शून्य साहिष्णुता रखता है, लेकिन साथ ही हमें एलओसी व सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही विस्थापित परिवारों की निकासी और अस्थायी पुनर्वास प्रशासन व सुरक्षा बलों की प्राथमिकता होनी चाहिए। पूरे देश को सीमावर्ती ग्रामीणों के साथ एकजुटता से खड़ा होना चाहिए, जो पाक की नापाक हरकतों के कारण पहले से कहीं अधिक असुरक्षित हैं। ये हमारे सुरक्षा बलों की आंख–कान के रूप में काम करते हैं।

युद्ध जैसे हालात में सरकार से अपेक्षा

मंगलवार की आधी रात को पाकिस्तान पर किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पर स्थित जम्मू–कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तान की तरफ से भयंकर गोली बारी शुरु की गई, जिसमें कम से कम 16 लोगों के मारे जाने की खबर है, साथ ही लांस नायक दिनेश कुमार शहीद भी हुए हैं।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक पाकिस्तान ने इसके अलावा भारत के अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलौदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की। हालांकि पाकिस्तान के इन हमलों को एकीकृत काउंटर यूएएस ग्रिड और एयर डिफेंस सिस्टम ने बेअसर कर दिया। भारत के रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया कि पाकिस्तानी ड्रोनों के मलबे अब कई स्थानों से बरामद किए जा रहे हैं जो इस बात को साबित करते हैं कि पाकिस्तान ने हमला किया था। जाहिर है हमारी सेना और मजबूत रक्षा तंत्र ने इस तरह देश की रखवाली की कि व्यापक तौर पर नागरिकों को पाकिस्तान की तरफ से हुए हमलों का पता ही नहीं चला। इस साहसिक कृत्य के लिए सेना की जितनी सराहना की जाए, कम है। इस समय सारा देश यही कर भी रहा है। गुरुवार को जब सरकार ने सभी दलों की बैठक फिर से बुलाई, तब भी तमाम दलों ने एकजुटता का भरोसा सरकार को दिलाया। युद्ध के मुहाने पर खड़े इस कठिन दौर से गुजरते हुए भारत का हर विपक्षी दल और नागरिक अपने परस्पर विरोधों को भुलाकर सरकार और सेना के साथ खड़ा है लेकिन यह बेहद दुखद और आश्चर्यजनक बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो देश का नेतृत्व करते हैं, इस विषय पर गुरुवार को दिल्ली में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में पुनः अनुपस्थित रहे। पुनः शब्द का इस्तेमाल इसलिये किया जा रहा है क्योंकि पहलगाम हमले के बाद 24 अप्रैल को बुलाई गई ऐसी ही बैठक में मोदी नहीं आये थे।

हालांकि उन्होंने आतंकवादियों को धरती के आखिरी छोर से भी पकड़ लाने का वादा देश से किया था। सेना ने संयुक्त ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देकर पाकिस्तान व पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में दहशतगर्दों द्वारा चलाये जा रहे आतंकी कैंपों को उड़ा दिया। लेकिन इस दौरान सरकार को कम से कम सीमावर्ती इलाकों से नागरिकों को सुरक्षित जगहों पर ले जाने का इंतजाम कर लेना चाहिए था। अगर ऐसा होता तो शायद पुंछ में जो नुकसान हुआ, वह न होता। पुंछ इलाके में मारे गये नागरिक ज्यादातर किसान हैं। एक तरह से देखें तो ये सर्जिकल स्ट्राइक हो या सीमा के आर–पार की बम वर्षा के कारण लगभग युद्ध की स्थिति है। ऐसे में सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री का न आना यह बतलाता है कि वे लोगों से मिल रहे जनसमर्थन के कारण विपक्ष ही नहीं, नागरिकों व यहां तक कि संसद को भी काफी हल्के में ले रहे हैं। याद हो कि 22 अप्रैल को हुए बैसरन कांड के वक्त मोदी सऊदी अरब के दौरे पर थे जिसे छोड़कर वे भारत लौटे थे। इससे यह महसूस किया गया था कि वे स्थिति की गम्भीरता को देखते हुए लौटे हैं। इसके विपरीत उन्होंने न तो राष्ट्र के नाम संदेश दिया और न ही कोई ऐसा बड़ा कदम उठाया जिससे महसूस हो कि वे किसी बड़े फैसले को लेने या उसे क्रियान्वित करने के लिये उद्धत हैं। वे बिहार चले गये जहां उन्होंने वहां के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ एक रैली की। यहां इस साल के अंत तक विधानसभा के चुनाव होने हैं। मंच पर उनकी और नीतीश बाबू के बीच होती हंसी–ठिठौली की तस्वीरें व वीडियो लोगों को चकित करते रहे। उन्होंने सर्वदलीय बैठक में हिस्सा नहीं लिया और न ही सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाया जिसकी सम्पूर्ण विपक्ष मांग कर रहा था। जनता को भी इसकी अपेक्षा थी। मोदी वही कहानी दोहराते नजर आ रहे हैं– न तो सर्वदलीय बैठक में जाना, न राष्ट्र के नाम संदेश प्रसारित करना और न ही संसद का विशेष अधिवेशन बुलाने की पेशकश को सुनना। गुरुवार की बैठक में शामिल लगभग सभी दलों ने एक बार फिर से इस बात की घोषणा की कि वे पूरी तरह से सरकार के साथ हैं और वह जो भी कदम उठाये, वे उसका समर्थन करते हैं। सेना से जुड़ी गोपनीय बातों का जिक्र नहीं करना है, इसलिए बैठक से बाहर आकर किसी नेता ने कोई ऐसा बयान नहीं दिया, जिससे असुविधा हो। अलबत्ता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री नहीं आए, हालांकि हम अभी इस बात के लिए उनकी आलोचना नहीं करेंगे, क्योंकि यह वक्त आलोचना का नहीं है। वहीं राहुल गांधी ने जरूर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग उठाई, ताकि दुनिया के सामने अच्छा संदेश जाए। पहले भी विपक्ष इस आशय की मांग कर चुका है। बैसरन घाटी की घटना के बाद जब राहुल पहलगाम गये थे, उन्होंने साफ किया था कि वे किसी तरह की खामी या चूक की बात इस समय नहीं करेंगे। वे बाद में कई प्रभावित परिवारों से भी मिले थे, तब भी उन्होंने किसी भी प्रकार से सरकार की आलोचना नहीं की थी। ऐसे में जब विपक्ष बेहद जिम्मेदारी व संजीदगी के साथ सरकार को साथ दे रहा है, तब मोदी द्वारा सर्वदलीय बैठक में, वह भी दूसरी बार न आना दुखद ही कहा जायेगा। बेशक, बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्थिति की जानकारी दी। गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू भी इसमें मौजूद थे।अलबत्ता महाराष्ट्र में कुछ भारतीय जनता पार्टी नेता के श्ऑपरेशन सिंदूरश की सफलता के पोस्टर भी लगने शुरू हो गये हैं जो बतलाता है कि किस प्रकार से भाजपा इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ लेने के लिए आमादा है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को चाहिये कि वे अपने नेताओं व कार्यकर्ताओं को इससे बाज आने के लिये कहे वरना माना जायेगा कि सरकार इस सारी कवायद का सियासी फायदा लेने की फिराक में है। यह शर्मनाक भी है कि सेना की सफलता का श्रेय पार्टी ले– चाहे वह सत्तारुढ़ ही क्यों न हो। ऐसे में जब समझिये कि लड़ाई लगभग छिड़ ही गयी है, सभी को अपने तमाम मतभेद व क्षुद्र हितों को छोड़कर एक–दूसरे के साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़ा होना होगा।

...बदला हुआ भारत, बदला लेना जानता है

डा . आशीष वशिष्ठ

भारत ने इस जवाबी कार्रवाई को नाम दिया है 'ऑपरेशन सिंदूर'। ये नाम उन महिलाओं को समर्पित है, जिनके पतियों की पहलगाम में आतंकियों ने धर्म पूछकर हत्या कर दी थी। इस सैन्य कार्रवाई को केवल रणनीतिक पलटवार नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस स्पष्ट संकल्प की पुष्टि के रूप में देखा जा रहा है, जो उन्होंने हमले के दो दिन बाद बिहार के मधुबनी से दिया था।

24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस के मौके पर मधुबनी पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम हमले पर गहरा शोक प्रकट किया और देशवासियों से दो मिनट का मौन रखवाया। इसके बाद उन्होंने एक कड़े और प्रतिज्ञाबद्ध स्वर में कहा थाकृ मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि जिन्होंने ये हमला किया है, उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। बिहार मधुबनी में प्रधानमंत्री का दिया गया बयान अब 'ऑपरेशन सिंदूर' के रूप में धरातल पर उतर चुका है, जिसमें आतंकी नेटवर्क की जड़ें हिलाकर रख दी गई हैं। ऑपरेशन सिंदूर के लिए जिन आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिलाया गया है, उनमें से चार पाकिस्तान में और पांच पीओके में हैं। पहलगाम में आतंकी हमला कोई पहली घटना नहीं था जिसको पाक का समर्थन प्राप्त था। दशकों से पाकिस्तान में पलेकृबढ़े और प्रशिक्षित आतंकी भारत में आतंकी घटनाओं को अंजाम देते आए हैं। लेकिन हर बार घटना के बाद भारत सरकार का रवैया जबानी जमा खर्च तक रहा। दो चार दिन की बयानबाजी और कागजी कार्रवाई के बाद गाड़ी पुरानी पटरी पर दौड़ती रही। और पाकिस्तान अपनी कारस्तानियों से बाज नहीं आया। 26 नवंबर 2008 की रात, भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई उस समय दहल उठी जब पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा के 10 आतंकियों ने समुद्र के रास्ते शहर में प्रवेश किया। हमले के दौरान, भारतीय सुरक्षा बलों, जिसमें मुंबई पुलिस, एनएसजी और अन्य कमांडो शामिल थे, ने तीन दिनों तक ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन में 9 आतंकी मारे गए, लेकिन अजमल कसाब को 27 नवंबर 2008 को जुहू चौपाटी पर जिंदा पकड़ लिया गया। इस हमले में 166 लोग मारे गए, जिनमें 26 विदेशी नागरिक भी शामिल थे और 300 से अधिक लोग घायल हुए। तत्कालीन कांग्रेस नीत यूपीए सरकार केंद्र की सत्ता में थी। प्रधानमंत्री थे डॉ. मनमोहन सिंह। इस घटना के बाद तत्कालीन भारत सरकार का रवैया जगजाहिर है। असल में तत्कालीन सत्तासीन दल का पूरा जोर इस बात पर था कि इस हमले में शामिल लोगों को हिंदू साबित किया जाए, जिससे वो हिंदू आतंकवाद की थ्योरी को स्थापित कर सके। गनीमत यह रही कि आतंकी अजमल कसाब जिंदा पकड़ लिया गया। वरना सुरक्षाबलों द्वारा मारे गए आतंकियों के हाथों मे षड्यंत्र पूर्वक बंधे कलावे से ही सरकार हिंदू आतंकवाद की थ्योरी स्थापित करने में सफल हो जाती।

12 मार्च 1993 को मुंबई के विभिन्न इलाकों खासकर हिंदू आबादी बहुल में 13 सिलसिलेवार बम धमाके हुए, जिसमें 257 निर्दोष नागरिकों की जान चली गई और 700 से ज्यादा निर्दोष नागरिक घायल हो गए। उस समय केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। पीवी नरसिंह राव देश के प्रधानमंत्री थे। 13 दिसंबर 2001 को, जैश–ए–मोहम्मद और लश्कर–ए–तैय्यबा नामक आतंकवादी संगठनों के पांच आतंकवादियों ने भारत की संसद पर एक घातक हमला किया। इस आतंकी हमले का मुख्य आरोपी मोहम्मद अफजल गुरु था। इस हमले में दिल्ली पुलिस के पांच जवान, एक महिला कांस्टेबल और दो सुरक्षा गार्ड शहीद हो गए।

24 सितंबर 2002... शाम के करीब पौने पांच बजे का समय, ये वो दिन था जब गुजरात के अक्षरधाम मंदिर को आतंकियों ने अपना निशाना बनाया। इस आतंकी हमले में मंदिर परिसर में मौजूद 32 श्रद्धालुओं और 3 सुरक्षाकर्मियों की जान गई थी। आतंकियों ने हथियारों से लैस होकर श्रद्धालुओं को निशाना बनाया था। इस घातक हमले में लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े आतंकवादियों का संबंध था। आतंकवादियों को एनएसजी कमांडो ने मार गिराया था। संसद और अक्षरधाम हमले के समय देश में भाजपा नीत एनडीए के नेता प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी गठबंधन की सरकार चला रहे थे।

देश में आतंकी घटनाओं की लंबी फेहरिस्त है। चूंकि देश में सबसे ज्यादा लंबे समय तक कांग्रेस का राज रहा है। ऐसे में पाक समर्थित आतंकवाद से निपटने के लिए बयानबाजी और डोजियर भेजने का जो तरीका कांग्रेस की सरकार ने शुरू किया, वो रिवायत 2014 तक जारी रही। हर आतंकी हमले के बाद भारत ने जिस तरह रिएक्ट किया, उससे पूरी दुनिया में यह मैसेज गया कि भारत एक श्सॉफ्ट स्टेटश है। भारत के इस टालू और ठंडे रवैये से पाकिस्तान के हौसले बुलंद हुए। 2004 से 2014 में कांग्रेस नीत यूपीए सरकार के शासन में आतंकियों के हौसले इतने बुलंद थे कि वो जहां चाहते थे आसानी से हमले को अंजाम दे देते थे। उन्हें पता था कि भारत सरकार का रवैया बयानबाजी और कागजी लिखा पढ़ी से ज्यादा कुछ नहीं होगा।

वर्ष 2014 में केंद्र की सत्ता में भाजपा नीत एनडीए सरकार का आगमन हुआ। जिसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। मोदी सरकार ने सत्ता संभालने के साथ आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करना शुरू किया। जिसका नतीजा यह रहा है कि कश्मीर को छोड़कर देश के किसी हिस्से में आतंकी घटनाओं की खबर सामने नहीं आई।

मातृत्व की चादर ओढ़े हुए हूं.....

मां के चरणों में स्वर्ग है परंतु वह नारी का ही तो स्वरूप है,
प्यार ममता की हर कसौटी पर खरी उतरती है ।
गोद में वात्सल्य का अमृत पिलाती है,
स्तनपान से लेकर गृहस्ती की हर ईंट बबाक संभालती है।
यह माँ ही है जो विशालता और सहनशीलता से हर पग उठाती हैं।
कहते हैं मां के चरणों में स्वर्ग है,
यह माँ ही है ,जो स्वर्ग का दर्पण दिखाती है।
स्वयं जहर पी– पी कर हमको अमृत सा दूध पिलाती है ,गर्भ में तन को ढक कर भी गृहस्ती का तालमेल बनाती है।
सर्दी– गर्मी जिंदगी के थपेड़ों से ढकता आंचल ,
प्यार की थपकी से जीवन की हर थकान मिटाती है ।
धूल से सने हाथों को जब मां के आंचल में समेटती है ,
तब वह बेहतर संस्कार , प्रति कर्तव्यों का पाठ भी पढ़ाती है।
प्यार का सागर है मां का आंचल जो सूखे पत्तों के दरख्तों को फूलों की लदी डाल में बनाती है ।

श्रीमती प्रेरणा तलवार
वधावा नगर
बलटाना, ज़ीरखपुर
मोहाली
अध्यापिका डी ए वी
सेक्टर–8 पंचकूला

हां तुम एक विफल राष्ट्र हो!

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

पाकिस्तान एक विफल राष्ट्र है क्योंकि इसका जन्म ही नफरत की बुनियाद पर हुआ है। अंग्रेजों से आजाद होते ही भारत का बंटवारा हुआ और मानवता ने जिस वीभत्स मंजर को देखा, उसकी मिसाल कम मिलती हैं। कई कलाकार, लेखक और पॉलिटिशियन मजहब के आधार पर बंटे पाकिस्तान में चले तो गए लेकिन उम्र भर सिर्फ हिंदुस्तान को ही याद करते रहे, अपने दोस्तों से मिलने के लिए तड़पते रहे जैसे उन्हें यह अहसास हो गया था कि गलती हो चुकी है और समय का पहिया अब पीछे नहीं खींचा जा सकता। जो लिख सकते थे, उनके शब्दों में यह दर्द बयां हुआ और बाकी अपने दिलों में इस टीस के साथ जिंदा रहे। मशहूर और बेहतरीन कहानीकार सआदत अली हसन मंटो (दो दिन बाद उनकी सालगिरह है) उन्हीं में से एक थे। उन्होंने विभाजन के समय हुए दंगों की त्रासदी को भीतर तक उतारा और फिर पन्नों पर। टोबा टेकसिंह और खोल दो उनकी ऐसी ही महान रचनाएं हैं। मंटो दोस्तों को अक्सर लिखा करते थे कि, च्यार मुझे वापस बुला लो!ज् उन्होंने खुदकुशी की कोशिश भी की थी। वे बहुत कम (43 साल) जी पाए। जैसे चिंता और जीवन का कोई गहरा रिश्ता हो। यूं तो मंटो के बारे में कहने को इतना कुछ है कि मंटो पढ़ाई–लिखाई में कुछ खास नहीं थे, कि मंटो कॉलेज में उर्दू में ही फे ल हो गए थे, कि शायर फैज अहमद फर्ज मंटो से केवल एक साल बड़े थे, कि उन्हें भी चेखोव की तरह टीबी था, कि वे बेहद निडर थे, कि उनकी कई कहानियों पर अश्लीलता के मुकध्दमे चले और उनकी कहानियां तो बस इंसान को चीर के ही रख देती हैं। विभाजन से पहले के बॉम्बे में उनके किस्से–कहानियां फिल्म इंडस्ट्री की जान हुआ करते थे। बेशक मंटो का फिर पैदा होना मुश्किल है लेकिन अफसोस यह भी कि एक बेहतरीन कथाकार नफरत की भेंट चढ़ गया और असमय मौत की नींद सो गया। ऐसे ही एक शायर रईस अमरोही थे जो जॉन एलिया के बड़े भाई थे। वे भी बंटवारे को बर्दाश्त नहीं कर पाए। उनका परिवार उत्तर प्रदेश के अमरोहा का था जो 1947 में पाकिस्तान चला गया। उनकी मेटाफिजिक्स, ध्यान और योग पर कई किताबें प्रकाशित हुईं। उनका भी दिल केवल भारत के लिए धड़कता रहा। वे लिखते हैं– हिन्द की बहारों, तुम को सलाम पहुंचे बिछड़े हुए नजारों, तुम को सलाम पहुंचे भारत के चांद तारों, तुम को सलाम पहुंचे बरसों के बाद यारों तुम को सलाम पहुंचे ये नामा–ए –मोहब्बत यारों के नाम ले जा ओ हिंद जाने वाले मेरा सलाम ले जा। उनकी ऐसी कई नज्मों का जिक्र और प्रकाशन विदेश सेवा के अधिकारी और सांसद रहे मणिशंकर अय्यर ने अपनी किताब श्पाकिस्तान पेपर्सश में किया है। रईस अमरोही की 1988 में एक कट्टरपंथी समूह ने उनकी लाइब्रेरी में ही हत्या कर दी। कट्टरपंथी केवल किसी धर्म के खिलाफ नहीं होते। वे हर उस व्यक्ति के खिलाफ होते हैं जो उदारता की बात करता है, तरक्कघी की बात करता है, शांति की बात करता है। वे खुद में एक जिंदा बम होते हैं। ऐसे बीमार जिन्हें ताजा हवा कभी छूकर भी नहीं गुजरी होती। शक और डर में जीने वाले हैवानों का कुनबा जो निर्दोषों का खून बहाना जानता है। वे ही 22 अप्रैल को पहलगाम आए थे और कई स्त्रियों के सिंदूर उजाड़ गए। खुद मोहम्मद अली जिन्ना, जिन्हें पाकिस्तान का जनक और कघयदे आजम बताया जाता है, वे भी अपनी जिन्दगी में ही अनुभूत कर चुके थे कि पाकिस्तान का बनाना उनकी गलती थी। वे पाकिस्तान बनने के बाद केवल एक साल जिंदा रहे। मजहब के आधार पर एक देश बनाने वाले ने कहा था– श्पाकिस्तान कोई ईश्वर शासित राज्य नहीं होगा जहां पीर–पुज्जे किसी खास मकघ्सद से राज करेंगे। देश में कई गैर मुस्लिम भी हैं जिन्हें समान अधिकार होंगे और वे मिलकर पाकिस्तान की तरक्की में शामिल होंगे।श अफसोस ऐसा हो न सका क्योंकि बुनियाद ऐसी नहीं थी। पिछले दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर का द्वि–राष्ट्रवाद के सिद्धांत का उल्लेख भी यही बताता है कि कैसे एक विफल राष्ट्र को जब–तब अपने किए–धरे को उचित बताने की नाकाम कोशिश करनी पड़ती है। इससे पहले मुनीर ने एक अन्य कार्यक्रम में कश्मीर को पाकिस्तान के श्गले की नसश बताया था। इस बार वे खैबर–पख्तूनख्वा प्रांत के काकुल इलाके में पाकिस्तान सैन्य अकादमी में कैडेट की श्पासिंग आउट परेडश को संबोधित कर रहे थे। मुनीर ने कहा– श्दृद्वि–राष्ट्र सिद्धांत इस बुनियादी मान्यता पर आधारित था कि मुसलमान और हिंदू दो अलग–अलग मुल्क हैं, एक नहीं। मुसलमान जीवन के सभी पहलुओं– धर्म, रीति–रिवाज, परंपरा और सोच में हिंदुओं से अलग हैं।श्श तब सवाल यही है कि बांग्लादेश क्यों पाकिस्तान से अलग हुआ? पाक सेना के प्रमुख यहां बुरी तरह फेल हुए हैं और फेल हुआ है उनका मजहब के आधार पर दो राष्ट्र बनाने का सिद्धांत। अगर जो भारत के सियासी दल धर्म को सियासत में शामिल करते रहे तब पाकिस्तान जरूर बांग्लादेश से सांठगांठ कर बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। साफ है कि एक विफल राष्ट्र का सेनाध्यक्ष कैसे अपनी सोच को सही बताने के इरादे से कुतर्क का सहारा लेने लगता है, जबकि भारत का सच दुनिया के सामने है। इसकी वजह जिन्ना के समकालीन हमारे नेताओं की दृष्टि और सोच है। पाकिस्तान के मजहबी आधार पर निर्माण के बावजूद उन्हें कोई दुविधा नहीं थी कि वे भविष्य में कैसा भारत बनाएंगे। उन्होंने विश्व का बेहतरीन संविधान गढ़ा। देश जहां हर वर्ग, धर्म के नागरिक समान और मौलिक अधिकारों के दायरे में होंगे। कोई भेदभाव नहीं होगा। आज भारत और पाकिस्तान दोनों कहां खड़े हैं? उसके पीछे 1947 की भीषण त्रासदी के बावजूद हमारे नेताओं की सर्वधर्म समभाव की सोच रही। इस सोच का परिचय भारतीय सेना ने बुधवार को तब भी दिया। जब दो महिला अधिकारियों ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दुनिया से साझा की। उन्होंने भारतीय सेना और वायु सेना की संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग की। विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने विदेश सचिव मिस्री के साथ ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देते हुए मंगलवार रात एक बजे से डेढ़ बजे तक पाकिस्तान में निशाना बनाए गए ठिकानों के नाम और विवरण साझा किए। सिग्नल कोर की अधिकारी सोफिया कुरैशी ने हिंदी में बात की, जबकि विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने अंग्रेजी में बात कही। कर्नल सोफिया ने 2016 में बहुराष्ट्रीय क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास में सेना के प्रशिक्षण दल का नेतृत्व भी किया था। उनके परिवार की पृष्ठभूमि सेना में सेवा देने की रही है। सोफिया कुरैशी के पिता ताज मोहम्मद कुरैशी ने कहा– श्हमें बहुत गर्व है। हमारी बेटी ने हमारे देश के लिए बहुत बड़ा काम किया है। पाकिस्तान को नष्ट कर देना चाहिए। मेरे दादा, मेरे पिता और मैं सभी सेना में थे। अब वह भी सेना में है।

पलक तिवारी

ने नेपोटिज्म और अपनी मां श्वेता तिवारी की विरासत पर बात की

पलक तिवारी ने फिल्मफेयर से खास बातचीत में अपनी सुपरस्टार मां श्वेता तिवारी और भाई–भतीजावाद के बारे में बात की। पलक तिवारी ने नेपोटिज्म और अपनी मां श्वेता तिवारी की विरासत पर बात की टेलीविजन अभिनेत्री श्वेता तिवारी कसौटी जिंदगी की में प्रेरणा का किरदार निभाकर घर–घर में मशहूर हो गई थीं। आज तक, इस किरदार ने अपनी प्रतिष्ठित स्थिति बरकरार रखी है और अभिनेत्री को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जाता है। और अब, उनकी बेटी पलक तिवारी ने शोबिज में कदम रख दिया है और अपनी दूसरी बड़ी स्क्रीन रिलीज, द भूतनी का इंतजार कर रही हैं। पलक को लोगों का प्यार मिला है और वह अपने प्रशंसकों का खूब मनोरंजन करती हैं, लेकिन यह युवा स्टार किड भाई–भतीजावाद की बहस से भी बच नहीं पाई। फिल्मफेयर के साथ एक विशेष बातचीत के दौरान, हमने उनसे उनके दोस्तों और इंडस्ट्री के साथियों जैसे कि अनन्या पांडे, खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान को फिल्मी परिवार से होने के कारण ट्रोलिंग का सामना करने के बारे में पूछा और क्या उन्हें लगता है कि इंटरनेट पर लोग स्टार किड्स के मामले में निर्दयी हैं। पलक तिवारी और श्वेता तिवारी उन्होंने कहा, ष्इंटरनेट पर लोग आम तौर पर निर्दयी होते हैं। लेकिन हां, मुझे लगता है कि यह एक निश्चित जिम्मेदारी के साथ आता है। जिस तरह से मैं इसे देखने की कोशिश करती हूं, वह यह है कि वे हमारे माता–पिता के प्रति सेलिब्रिटी और पहचान के रूप में सुरक्षात्मक हैं क्योंकि वे उनके साथ बड़े हुए हैं। मुझे पता है कि प्रेरणा ने बहुत से लोगों के प्यार के विचार को आकार दिया है, जो समस्याग्रस्त है। मेरी लड़की भ्रमित थी (हंसती है)। लेकिन मुझे पता है कि वे श्वेता तिवारी के प्रति इतने सुरक्षात्मक हैं कि वे कभी–कभी उसे मेरी मां के रूप में भी प्राथमिकता देते हैं। जब वे उसकी बेटी पलक को देखते हैं, तो वे सोचते हैं, श्ओह, वह कभी भी उससे मेल नहीं खाएगीश। वे हमारे सेलिब्रिटी माता–पिता के प्रति सुरक्षात्मक हैं पलक तिवारी ने नेपोटिज्म पर बात की पलक ने फिर समझाया कि स्टार किड्स कभी भी अपने माता–पिता की बराबरी नहीं करना चाहते क्योंकि उन्हें पता है कि यह संभव नहीं है। बल्कि, वे बस उस विरासत को बनाए रखना चाहते हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा, ष्वे यह भूल जाते हैं कि हम कभी भी अपने माता–पिता की बराबरी नहीं करना चाहते। हम अच्छी तरह जानते हैं कि हम कभी भी उस मुकाम को छू नहीं सकते, और हम उनके सबसे बड़े प्रशंसक हैं। इसलिए, अगर आप मेरी माँ की प्रशंसा करते हैं, तो कल्पना करें कि मैं उनकी कितनी प्रशंसा करती हूँय कम से कम दस गुना। मुझे लगता है कि मैं सभी स्टार किड्स की तरफ से बोल सकती हूँ, जैसा कि आपने कहा, हमारा एकमात्र उद्देश्य बस उस विरासत को बनाए रखना है और उसे नुकसान नहीं पहुँचाना है। आखिरकार, समय के साथ, हम वहाँ पहुँच जाएँगे।ष इस बीच, भूतनी में संजय दत्त, मौनी रॉय, सनी सिंह, पलक तिवारी, आसिफ खान और बेयूनिक जैसे कलाकार हैं। यह 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आपकी नई फिल्म भूतनी में आपके साथ मौनी रॉय जैसी लोकप्रिय अभिनेत्री भी हैं, तो उनकी मौजूदगी को लेकर कभी कोई असुरक्षा थी? मेरे दिल में उनके लिए बहुत इज्जत है, क्योंकि वे बहुत ही ज्यादा अच्छी अभिनेत्री हैं और उस पर उन्होंने जो भूमिकाएं की हैं, वो बहुत कमाल का है। हमारी फिल्म में वे मोहब्बत नाम का चरित्र निभा रही हैं जबकि इससे पहले उनका किरदार जुनून भी काफी फेमस हुआ था। टीवी पर उन जैसी नागिन तो हुई ही नहीं। असल में उनका स्क्रीन प्रेजेंस इतना स्ट्रॉन्ग है कि पूछो मत। चूंकि वे टीवी के बैकग्राउंड से आती हैं, तो मैं उनका बहुत सम्मान करती हूं, क्योंकि वो छोटे पर्दे के कलाकार ही होते हैं, जो किसी भी हालात में अपना बेस्ट दे जाते हैं। उनका बेस बहुत मजबूत होता है। उनसे किसी तरह के कॉम्पिटीशन और असुरक्षा की तो बात ही नहीं, क्योंकि उनका दर्जा चाहे वो अनुभव हो या कला, मुझसे काफी ऊंचा है। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। अक्सर सोशल मीडिया पर अगल–बगल में आपकी और आपकी मम्मी की तस्वीर लगा कर आप दोनों के बीच तुलना भी की जाती है, अजीब लगता होगा? चूंकि मेरी मम्मी बहुत फेमस हैं, तो लोग ये भूल जाते हैं कि वे मेरी मां हैं। अब तो हम इस बात पर हंसना सीख गए हैं, मगर पहले हमें भी ये बात अजीब लगती थी। मम्मी भी इस बात को समझ नहीं पातीं, मैं समझने की कोशिश करती हूं। मुझे लगता है, हम दोनों पब्लिक निगाह में हैं और लोग हमें जानते हैं। हमने ही उन्हें वो सहमति दी है कि वे हमें जानें। इसके अलावा भी कई बार बहुत सारी चीजें आ जाती हैं, जैसे कभी कहा जाता है, हमें तुमसे ज्यादा तुम्हारी मां पसंद हैं, तो उन्हें क्यों लगता है कि ये सुनकर मुझे बुरा लगेगा? लोगों को लगता है कि मेरी मां और मैं अभिनेत्रियां हैं, तो इसके कारण हम दोनों में कॉम्पिटीशन होगा, तो ये बात तो मुझे बहुत फनी लगती है। अपनी मां से मैं क्यों कॉम्पिटीशन करूंगी भाई। आप लगातार अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी बहुत चर्चा में रहती हैं। आए दिन इब्राहिम अली खान के साथ आपके लिंकअप्स की खबरें आती हैं, क्या कहेंगी? देखिए, अब मैं एक ऐक्ट्रेस हूं, तो कभी मेरा कॉम्पिटीशन मेरी मां से कर दिया जाता है, तो कभी किसी के साथ मुझे देख लिया जाए, चाहे हो कोई भी लड़का क्यों न हो, यही कहा जाता है कि मेरा चक्कर चल रहा है। क्या एक लड़की एक लड़के के बगल में खड़ी नहीं हो सकती? आम तौर पर पानी पूरी के ठेले पर खड़े लड़का–लड़की के बारे में तो कोई ये नहीं कहता, मगर ऐक्ट्रेस का चक्कर जरूर चला दिया जाता है। ये डबल स्टैंडर्ड मेरी समझ से परे है। मैं यही कहूंगी कि लकी हूं, जो लोगों को मेरी लव लाइफ से फर्क पड़ता है जबकि मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। (हंसती हैं) इसमें जानने के लिए कुछ है ही नहीं। आपके माता–पिता (एक्टर राजा चौधरी) के अलगाव और जटिल संबंधों का आप पर कितन प्रभाव पड़ा? कभी लगता है कि पलट कर कुछ बदला जा सकता था? सच बताऊं, तो जो होता है, अच्छे के लिए ही होता है, क्योंकि मेरे मम्मी और पापा अलग नहीं हुए होते तो मैं वो इंसान न होती, जो आज मैं हूं। मेरी मम्मी भी वो इंसान न होतीं, जो वो आज हैं। उनको ग्रो करने का मौका नहीं मिलता। मेरी मम्मी के डिवोर्स से कितनों को उम्मीद मिली है कि हां, हम भी छोड़ सकते हैं अपने पति को। मेरे मम्मी और पापा साथ नहीं हैं, तो इसका मतलब ये नहीं है कि मेरे पापा ने अच्छे पापा बनने की कोशिश नहीं की। वो शायद उस समय जितना कर सकते थे, उन्होंने किया। मगर वो सही नहीं था हम तीनों के लिए, पर आज हम तीनों खुश हैं। अब कोई भी चीज मुझे उतना दुख नहीं देती, क्योंकि मुझे लगता है कि मैं किसी भी हालात से निकल सकती हूं। ये मैंने सीखा अपनी मम्मी से, क्योंकि मैं जानती हूं कि मेरी मम्मी मेरे पापा से कितना प्यार करती हैं और कितना मुश्किल था ये उनके लिए। मगर एक औरत होने के नाते दूसरी औरत, जो कि मेरी मां है, के लिए बहुत कठिन था, मगर उन्होंने किया और मैंने उससे बहुत कुछ सीखा।

सेलिना जेटली को ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन करने पर लोगों ने क्यों किया ट्रोल, एक्ट्रेस ने दिया जवाब

सेलिना जेटली ने उन यूजर्स को जवाब दिया जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन करने पर उन्हें अनफॉलो कर दिया था। अभिनेत्री सेलिना जेटली, जो इस समय ऑस्ट्रिया में हैं, ने भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की और ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की। उन्होंने लिखा कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बीच उनका श्दिल बेचौन हैश, जो टाइम जोन और सुर्खियों के बीच फंस गया है। उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों के लिए अपना समर्थन भी व्यक्त किया और राष्ट्र की रक्षा के लिए उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

एक अन्य पोस्ट में, उन्होंने ऑनलाइन ट्रोल्स को भी कड़ा जवाब दिया, जिन्होंने भारत के ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा करने पर उन्हें अनफॉलो करने की धमकी दी थी। भारत और पाकिस्तान के बीच इस समय सीमा पर तनाव है। ऐसे में बॉलीवुड से लेकर टीवी इंडस्ट्री के सितारे भी अपनी राय रखने और अपने देश का समर्थन करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। भारतीय सेना ने 7 अप्रैल को ऑपरेशन सिंदूर के साथ पहलगाम हमले का बदला लिया, जिस पर कई भारतीय कलाकारों ने सेना की प्रशंसा की और गर्व व्यक्त किया।

इस बीच, सेलिना जेटली ने एक और पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने उन ट्रोल्स को भी करारा जवाब दिया, जिन्होंने भारत के ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा करने पर उन्हें अनफॉलो करने की धमकी दी थी। ऐसे में सेलिना ने देशभक्ति पर अपने रुख का बचाव करते हुए ट्रोल्स से कहा कि अगर आतंकवाद के खिलाफ उनकी आवाज से उन्हें खतरा है तो वे उन्हें अनफॉलो कर दें। जो लोग मुझे अनफॉलो कर रहे हैं या मुझे धमकी दे रहे हैं क्योंकि मैं अपने देश के लिए बोल रही हूं – इसे ध्यान से पढ़ें। मैं अपने देश के साथ खड़े होने के लिए कभी माफी नहीं मांगूंगी। जब आतंक के नाम पर निर्दोष लोगों की हत्या की जाती है, तो मैं कभी चुप नहीं रहूंगी, उनकी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा है।

सेलिना ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, मैं हर निर्दोष की जान जाने पर शोक मनाती हूं। लेकिन मैं उन लोगों के साथ कभी खड़ी नहीं होऊंगी जो हिंसा को सही ठहराते हैं या उसका महिमामंडन करते हैं। अगर भारत के प्रति मेरे प्यार से आपको ठेस पहुँचती है, अगर आतंकवाद के खिलाफ मेरी आवाज आपको डराती है, तो गर्व से मुझे अनफॉलो कर दें। आपको कभी भी मेरे साथ इस रास्ते पर चलने की जरूरत नहीं थी। मैं शांति के लिए बोलता हूँ। मैं सच्चाई के लिए खड़ा हूँ और मैं हमेशा अपने सैनिकों के साथ खड़ा हूँ। वे आपका नाम या धर्म पूछे बिना आपकी रक्षा करते हैं।

पहलगाम आतंकी हमले और भारत–पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते कई पाकिस्तानी कलाकारों के इंस्टाग्राम अकाउंट्स भारत में बैन कर दिए गए हैं। इन कलाकारों में हानिया आमिर भी शामिल हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक बयान वायरल हुआ, जिसमें दावा किया गया कि हानिया आमिर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रिक्वेस्ट की है कि उनके इंस्टाग्राम अकाउंट्स पर लगाए गए प्रतिबंध पर पुनर्विचार किया जाए। हालांकि, इसी बीच हानिया का एक और पोस्ट सामने आया है, जिसमें उनका कहना है कि उन्होंने ऐसा कोई भी बयान नहीं दिया है। दरअसल, हानिया आमिर के एक फैन ने एक्स पर एक स्क्रीनशॉट शेयर किया है। इस पोस्ट में हानिया आमिर की इंस्टाग्राम स्टोरी नजर आ रही है, जिसमें लिखा गया है कि मेरे नाम से सोशल मीडिया पर एक बयान वायरल हो रहा है। मैं साफ करना चाहती हूं कि मेरी तरफ से ऐसा कोई भी बयान नहीं दिया गया है और न ही मैं इसमें कही गई बातों का समर्थन करती हूं या उनसे सहमत हूं। यह पूरी तरह से मनगढ़ंत है। इस समय हालात बेहद संवेदनशील हैं। हालिया घटना में जो निर्दोष लोग मारे गए और जिन परिवारों को इसका असर झेलना पड़ा, उनके लिए मेरा दिल बहुत दुखी है। ऐसा दर्द सच्चा होता है और इसके लिए सहानुभूति की जरूरत है, न कि राजनीति की। ऐसे समय में हमारी भावनाएं हमारे फैसलों पर हावी हो सकती हैं। हमें ये नहीं भूलना चाहिए कि कुछ लोगों के गलत काम पूरे देश या उसकी जनता को गलत ठहराने की वजह नहीं बनते। बिना सबूत किसी पर आरोप लगाना सिर्फ दूरियां बढ़ाता है।

पवन सिंह का गाना धनिया में पनिया रिलीज होते ही उड़ा रहा गर्दा, देसी अंदाज में पत्नी को मनाते दिखे पावरस्टार

भोजपुरी सिनेमा में पावरस्टार के नाम से फेमस पवन सिंह आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। पवन भोजपुरी सिनेमा के हाई पेड एक्टर्स की लिस्ट में हैं। अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्में देने वाले पवन सिंह ने सभी बड़ी एक्ट्रेसेस संग काम किया है। पवने एक एक्टर होने के साथ ही एक बेहतरीन सिंगर भी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बतौर सिंगर की थी। फिल्मों के अलावा पवन के कई म्यूजिक वीडियोज भी आए दिन चर्चा में रहते हैं। इसी बीच अब पवन सिंह का एक नया गाना रिलीज हुआ है, जो यूट्यूब पर धमाल मचा रहा है। पवन सिंह एक बार फिर अपने देसी भोजपुरी अंदाज में नजर आ रहे हैं। पवन का एक नया गाना आज यानी 2 मई को रिलीज हुआ है। इस गाने का टाइटल श्धनिया में पनियाश है। इस म्यूजिक वीडियो में पवन सिंह दमदार लुक में दिखाई दे रहे हैं। इस गाने को आदित्य फिल्म्स के यूट्यूब चौनल पर अपलोड किया गया है। इस गाने को पवन सिंह ने गाया है। उनके साथ इस गाने में भोजपुरी सिंगर शिल्पी राज ने अपनी आवाज का जादू बिखेरा है। भोजपुरी गाना श्धनिया में पनियाश में पवन सिंह के साथ प्रिया रघुवंशी नजर आ रही हैं। वहीं, इसे रौशन सिंह विश्वास ने लिखा है। गाने को प्रियांशु सिंह ने संगीत दिया है। बता दें कि ये गाना रिलीज होते ही यूट्यूब पर छा गया है। इस गाने को महज कुछ ही घंटों में लाखों व्यूज मिल चुके हैं। साथ ही इस म्यूजिक वीडियो पर कमेंट कर यूजर्स पवन सिंह के गाने की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

मां लक्ष्मी का होगा घर में आगमन, रोज सुबह उठते ही मुख्य द्वार पर करें ये 4 काम

वास्तु शास्त्र में ऐसी कई चीजें बताई गई हैं जिनका घर में इस्तेमाल करने से नेगेटिविटी दूर होती है। माना जाता है जहां पर नेगेटिविटी हो वहां पर कभी भी मां लक्ष्मी का वास नहीं होता न ही सुख–समृद्धि आती है। घर की नेगेटिविटी दूर करने के लिए वास्तु शास्त्र में कुछ उपाय बताए गए हैं जिनका आप पालन कर सकते हैं। मुख्य तौर पर घर के मुख्य द्वार पर कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं जिनसे घर में नेगेटिविटी नहीं आती। तो चलिए आपको बताते हैं मुख्य द्वार से जुड़े कुछ वास्तु उपाय...

घर के द्वार पर मारे पानी के छिंटे

रोज नहाने के बाद घर के मंदिर में पूजा करें, फिर एक बर्तन में पानी लेकर थोड़ी सी इसमें हल्दी डालें। इस हल्दी वाले पानी के मुख्य द्वार पर छींटे मारें। इसके अलावा द्वार पर दोनों ओर थोड़ा–थोड़ा पानी डाल दें। इससे नेगेटिविटी दूर होगी और मां लक्ष्मी का घर में आगमन होगा।

स्वास्तिक का लगाएं चिन्ह

घर से निकलने से पहले मुख्य द्वार पर स्वास्तिक का चिन्ह जरुर बनाएं। मान्यताओं के अनुसार, स्वास्तिक की रोज पूजा करें इससे घर की बुरी नजर भी दूर होती है।

साफ रखें मुख्य द्वार

घर के मुख्य द्वार को हमेशा साफ रखें क्योंकि इसके जरिए ही घर में नेगेटिव एनर्जी आती है। घर की महिलाएं यदि रोज जागने के बाद मुख्य द्वार साफ करें तो इससे नेगेटिविटी दूर होती है।

शाम को जलाएं दीपक

शाम के समय बहुत से लोग घर में दीपक जलाते हैं। वहीं वास्तु मान्यताओं की मानें तो मंदिर में दीपक जलाने के अलावा एक दीपक घर के मुख्य द्वार पर भी रखें। इससे मुख्य द्वार रोशन रहता है और मां लक्ष्मी भी प्रसन्न होकर घर में प्रवेश करती हैं।

नहीं है फ्रिज तो भी गर्मियों में पानी रहेगा बिल्कुल ठंडा, बस अपना लें ये 3 हैक

गर्मी के मौसम ने दस्तक दे दी है ऐसे में इस मौसम में सभी ठंडा पानी पीना पसंद करते हैं परंतु ठंडा पानी पीने के लिए सभी फ्रिज का ही इस्तेमाल करते हैं। फ्रिज का ठंडा पानी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है कुछ लोग तो इसको पीने से बीमार भी हो जाते हैं। ऐसे में आप नैचुरल तरीके से ठंडे हुआ मटके का पानी पी सकते हैं। मटके के पानी को भी आप और ठंडा कर सकते हैं तो चलिए आपको बताते हैं कि कुछ ऐसे तरीके जिनके जरिए आप मटके के पानी को ठंडा कर सकते हैं

मटके पर लपेट दें बोरी

गर्मी शुरु होते हुए सब घर में बने मटके का पानी पीते हैं क्योंकि फ्रिज का पानी ठंडा होता है और पीने से भी स्वास्थ्य

समस्याएं भी हो सकती हैं। ऐसे में आप फ्रिज की जगह मटके से नैचुरल ठंडा किया हुआ पानी पी सकते हैं। गर्मी में मटका रखकर इस पर सूती के मोटे कपड़े से या फिर बोरी लपेट दें। इसके बाद बोरी के चारों और पानी डाल दें। इससे पानी ठंडा रहेगा।

कूलिंग फैन आएगा काम

गर्मियों में पानी ठंडा करने के लिए आप कूलिंग फैन का इस्तेमाल कर सकते हैं। मटके के पानी को अगर आप जल्दी ठंडा

करना चाहते हैं तो मटके पर बोरी लपेट दें इसके बाद इसे पानी डालकर गीला कर लें। इसके बाद मटके के साथ एक टेबल फैन लगाकर चला दें। फैन की हवा से पानी कुछ ही देर में ठंडा हो जाएगा।

तांबे के मटके में रहेगा पानी ठंडा

मिट्टी के मटके के अलावा आप तांबे के मटके का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे भी पानी नैचुरल तरीके से ठंडा रहेगा। तांबे के मटके में अगर आप रात में पानी डाल देंगे तो यह सुबह तक काफी ठंडा हो जाएगा। इस मटके की खासियत यह भी है कि जैसे जैसे तांबे का तापमान बढ़ता है तो उसमें मौजूद पानी भी ठंडा हो जाता है।

हर कोई अपने घर को अलग–अलग तरीके से सजाना पसंद करता है। कुछ लोग पेड़–पौधों से तो कुछ नए–नए डेकोरेटिव आइटम्स के साथ अपना आशियाना सजाते हैं। अगर आपको भी घर में पेड़–पौधे लगाना पसंद है तो बांस का पौधा आप घर में लगा सकते हैं। बांस का पौधा घर में लगाना बहुत ही शुभ माना जाता है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, इसे घर में लगाने से आर्थिक संकट दूर होते हैं। इसके अलावा यह पौधा सोया हुआ भाग्य चमकाने में भी मदद करता है। परंतु इस पौधे को सही दिशा में लगाना बहुत ही आवश्यक माना जाता है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, इसे किस दिशा में लगाना शुभ माना जाता है आज आपको इसके बारे में बताएंगे। तो चलिए जानते हैं...

पूर्व दिशा में लगाएं

मान्यताओं के अनुसार, आप घर की पूर्व दिशा में इस पौधे को लगा सकते हैं। इससे घर में सुख शांति रहती है और आर्थिक स्थिति भी सुधरती है।

इतना ऊंचा हो पौधा

बांस का पौधा 2–3 फीट की ऊंचाई तक घर में लगा हुआ शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इतनी ऊंचाई के पौधे को घर में लगाने से वातावरण पॉजिटिव रहता है और नेगेटिव एनर्जी घर में नहीं आ पाती।

घर में लगाने वाले हैं बांस का पौधा तो भूलकर भी न करें ये गलतियां, नहीं तो हो जाएंगे कंगाल !

न रखें ऐसी जगह पर

पौधे को कभी भी खिड़की के पास नहीं रखना चाहिए। धूप में इस पौधे को रखने से यह खराब होने लगता है इसके अलावा पौधा सूखने से घर की आर्थिक स्थिति पर भी प्रभावित होती है।

मजबूत होंगे परिवार के साथ रिश्ते

वास्तु शास्त्र की मानें तो आप बांस का पौधा ड्राइंग रुम या बेडरुम में भी रख सकते हैं। इससे आपके परिवार वालों के साथ रिश्ते मजबूत बनेंगे और दांपत्य जीवन में भी सुख आएगा।

इस दिशा में न लगाएं

बांस का पौधा कभी भी घर की दक्षिण–पश्चिम दिशा में नहीं लगाना चाहिए। इस दिशा में तुलसी, केला, बांस जैसे शुभ पेड़–पौधे लगाना अच्छा नहीं माना जाता है।

उंगलियों में दिखते ऐसे समस्या न करें नजरअंदाज, हो सकता है हाई कोलेस्ट्रॉल का संकेत !

गलत खान–पान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है जिनमें से एक हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्या भी है। यदि शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ जाए तो कई तरह की गंभीर समस्याएं हो सकती हैं इसके अलावा धमनियों में भी ब्लॉकेज हो सकता है। शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने पर कुछ लक्षण दिखते हैं ऐसे में शुरुआती लक्षणों पर गौर करके आप समस्या को कंट्रोल कर सकते हैं। आइए जानते हैं इन लक्षणों के बारे में...

बढ़ते लक्षण खड़ी कर सकते हैं समस्या

स्मोकिंग, शराब पीने, ज्यादा तली भूनी चीजें खाने के कारण हाई कोलेस्ट्रॉल का खतरा रहता है। इसके अलावा खून में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने के कारण कई तरह की स्वास्थ्य

समस्याएं हो सकती हैं। एक्सपर्ट्स की मानें तो हाई कोलेस्ट्रॉल होने पर शुरुआती लक्षणों पर गौर करके आप समस्या को नियंत्रित कर सकते हैं।

उंगलियों में दर्द

जब शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर इक्ट्ठा होता है तो आपके हाथ–पैर की उंगलियों में दर्द हो सकता है। धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जम जाने के कारण आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है। यदि आपको लगातार उंगलियों में दर्द हो रहा है तो इसे नजरअंदाज न करें।

उंगलियां पीली होना

यदि आपको हाथों की उंगलियां पीली पड़ती हैं तो इसका अर्थ है कि शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ रहा है। कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने के कारण आप एंथेलास्मा के शिकार हो सकते हैं जिससे आपकी त्वचा का रंग पीला होने लगता है।

उंगलियों में झुनझुनाहट महसूस होना

इसके अलावा बढ़ते कोलेस्ट्रॉल के कारण आपकी उंगलियों में भी झुनझुनाहट की समस्या भी हो सकती है। झुनझुनाहट के कारण आपको उंगलियों में पीन चुभने के जैसा भी महसूस हो सकता है। नसों में ब्लॉकेज के कारण आपका ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होने लगता है। जिससे आपकी परेशानी बढ़ सकती है।

उंगलियों में किसी भी तरह के दबाव पड़ने पर दर्द

यदि आपकी उंगलियों में काम करते हुए दबाव पड़ता हुए दर्द होता है तो भी यह हाई कोलेस्ट्रॉल का लक्षण हो सकता है। ऐसे में यदि आपको भी यह परेशानी होती है तो उसे नजरअंदाज न करें।

हाई कोलेस्ट्रॉल होने पर आपको दिल का दौरा भी पड़ सकता है। आप कार्डियक अरेस्ट के शिकार हो सकते है। ऐसे में यदि आपके भी शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ता है तो उसे नजरअंदाज न करें। इन सब लक्षणों के दिखने पर एक बार डॉक्टर को जरुर संपर्क कर लें।

गर्मियों में पाचन स्वस्थ रखेगी पुदीने की चटनी, रोज खाने से होंगे ढेरों शारीरिक फायदे

गर्मी के मौसम में जब कुछ न खाने का दिल हो तो सभी पुदीने की चटनी खाना पसंद करते हैं। इसकी मीठी–मीठी खूशबू सभी को बहुत पसंद आती है। यह स्वादिष्ट होने के साथ–साथ सेहत के लिए भी बहुत ही लाभकारी मानी जाती है। इसमें सोडियम, पौटेशियम. आयरन और विटामिन–सी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। इसका सेवन करने से पाचन तंत्र भी स्वस्थ रहता है और शारीरिक कमजोरी भी दूर होती है। गर्मी के मौसम में गैस, बदहजमी और जी मिचलाने जैसी समस्याएं बहुत होती हैं ऐसे में आप पुदीने की चटनी का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा भी यह शरीर को कई फायदे देती है। तो चलिए आपको बताते हैं पुदीने की चटनी खाने के फायदे...

इम्यूनिटी होगी मजबूत

पुदीने की चटनी में विटामिन–सी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है ऐसे में इसका सेवन करने से इम्यूनिटी बूस्ट होती है। इसके अलावा यह कई तरह की बीमारियों से भी बचाव में भी मदद मिलती है।

दर्दों से भी मिलेगी राहत

गर्मियों में यदि आपको किसी भी तरह की दर्द होती है तो आप पुदीने की चटनी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसका सेवन करने से सिरदर्द, मांसपेशियों का दर्द और कमजोरी जैसी समस्याओं से भी राहत मिलती है। पुदीने में पाया जाने वाला आयरन शरीर को कई तरह की बीमारियों से दूर रखने में मदद करता है।

पाचन रहेगा स्वस्थ

पुदीने की चटनी खाने से पेट से संबंधित समस्याओं से भी राहत मिलती है। इसमें पाए जाने वाले फाइट्रोन्यूटिएंट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स खाना पचाने में मदद करते हैं। इसका सेवन करने से अपच जैसी समस्याओं से भी राहत मिलती है। इसके अलावा इस चटनी को खाने से भूख भी अच्छी लगती है और उल्टी की समस्या भी दूर होती है।

शरीर रहेगा हैल्दी

गर्मियों में इस चटनी का सेवन करने से शरीर हैल्दी रहता है और वाटर रिटेंशन की समस्या दूर होती है। पुदीने में पाए जाने वाले एंटीइंफ्लेमेटरी गुण शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा इस चटनी का सेवन करने से शरीर भी स्वस्थ रहता है।

गर्मियों में लू से होगा बचाव

गर्मियों में बाहर निकलने पर लू लगने की समस्या हो जाती है ऐसे में आप नियमित पुदीने की चटनी का सेवन करके इन सब समस्याओं से राहत पा सकते हैं। इसके अलावा यह चटनी आपके शरीर को भी हैल्दी रखने में मदद करती है।

नोट– पुदीने की चटनी शरीर के लिए फायदेमंद मानी जाती है परंतु यदि आप किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं या आपको कोई एलर्जी है तो डॉक्टर से पूछकर ही इसका सेवन करें।

संक्षिप्त

दावा निपटारे के लिए डेढ़ अरब डॉलर का भुगतान करेगी गूगल, यूजर्स डेटा बिना मंजूरी इस्तेमाल करने का आरोप

वॉशिंगटन। दिग्गज टेक कंपनी गूगल, अमेरिकी राज्य टेक्सास को 1.4 अरब डॉलर का भुगतान करेगी। यह भुगतान दावे के निपटारे के लिए किया जाएगा। दरअसल टेक्सास ने गूगल के खिलाफ यूजर्स की मंजूरी के बिना उनका डेटा इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था। टेक्सास के स्टेट अटॉर्नी जनरल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

टेक कंपनियां कानून से ऊपर नहीं

अटॉर्नी जरनल केन पैक्सटन ने बताया कि यह समझौता टेक कंपनियों के लिए एक संदेश है कि हम हमारे अधिकारों और आजादी को बेचकर उन्हें पैसे नहीं कमाने देंगे। पैक्सटन ने कहा कि टेक्सास में, बड़ी तकनीकी कंपनियां कानून से ऊपर नहीं हैं। वर्षों तक गूगल ने लोगों की गतिविधियों, निजी सर्च और यहां तक कि उनके वॉइस प्रिंट्स और फेसियल ज्योमेट्री को भी अपने उत्पादों और सेवाओं के लिए इस्तेमाल किया। यह समझौता टेक्सास द्वारा गूगल के खिलाफ किए गए जियो–लोकेशन, गुप्त सर्च और बायोमीट्रिक डेटा से संबंधित कई दावों का निपटारा करता है। गूगल के प्रवक्ता जोस कास्टानेडा ने कहा कि यह समझौता पुराने दावों की एक श्रृंखला का निपटारा है, जिनमें से कुछ उत्पाद नीतियों से संबंधित हैं जिन्हें कंपनी पहले ही बदल चुकी है। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि समझौते के लिए किसी भी नए उत्पाद परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है। पैक्सटन ने कहा कि 1.4 अरब डॉलर इस प्रकार के डेटा–गोपनीयता उल्लंघनों पर गूगल के साथ समझौते में किसी भी राज्य द्वारा जीती गई सबसे बड़ी राशि है।

सैटेलाइट सेवाओं पर कंपनियों को देना पड़ सकता है राजस्व का चार फीसदी शुल्क, ट्राईघ्की सिफारिश

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई ने एलन मस्क की स्टारलिंक जैसी उपग्रह संचार सेवा प्रदाता कंपनियों पर सालाना राजस्व का चार फीसदी स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क लगाने की शुक्रवार को सिफारिश की। इसके साथ ही, प्रति शहरी ग्राहक 500 रुपये का वार्षिक शुल्क भी देना होगा। ये सिफारिशें एलन मस्क की स्टारलिंक के भारत में आने से पहले की गई हैं। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा, सैटेलाइट नेटवर्क पर उपलब्ध कुल बैंडविड्थ बहुत कम है। स्पेक्ट्रम को

सैटेलाइट प्रदाताओं के बीच साझा किया जा सकता है। ट्राई चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने कहा, यह एक पूरक सेवा है। प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में इस मुद्दे की जांच करने का कोई ठोस आधार नहीं है। स्टारलिंक को अब ट्राई की सुझाई गई शर्तों के तहत स्पेक्ट्रम हासिल करना होगा।घ्इसके तहत उसे इस्तेमाल किए जाने वाले स्पेक्ट्रम के लिए न्यूनतम 3,500 प्रति मेगाहर्ट्ज का शुल्क देना होगा। ट्राई ने कहा, सैटेलाइट के लिए स्पेक्ट्रम आवंटन सिर्फ पांच साल तक होगा, जिसे दो साल तक बढ़ाया जा सकता है। स्टारलिंक ने स्पेक्ट्रम की न्यूनतम 15 साल की वैधता मांगी थी। सिफारिश के मुताबिक, 8 फीसदी का प्राधिकरण शुल्क भी लागू होगा, जो दूरसंचार ऑपरेटरों और फिक्स्ड लाइन इंटरनेट प्रदाताओं के लिए लागू होता है। इन शुल्कों और अधिभारों के कारण स्टारलिंक सेवाओं की लागत 4,200 से अधिक होने की संभावना है।

भारत और पाकिस्तान के तनाव से शेयर बाजार भी प्रभावित, सात लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से शेयर बाजार में गिरावट आई है। सिर्फ दो दिनों में निवेशकों को 7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है। गुरुवार रात भारत ने पाकिस्तान की ओर से ड्रोन और मिसाइल से जम्मू, पठानकोट और अन्य 15 जगहों पर किए गए हमलों को नाकाम कर दिया। इससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है, जिसका असर शेयर बाजार पर पड़ा। 30 कंपनियों वाले बीएसई सेंसेक्स में शुक्रवार को 880.34 अंकों की गिरावट आई, यानी यह 1.10: गिरकर 79,454.47 पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी भी 265.80 अंक यानी 1.10: गिरकर 24,008 पर पहुंच गया।दो दिनों में बीएसई सेंसेक्स कुल 1,292.31 अंक (1.60 फीसदी) गिर चुका है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों की बाजार पूंजी 7,09,783 करोड़ रुपये घटकर अब 4,15 4,16,40,850.46 करोड़ (लगभग 4.86 ट्रिलियन डॉलर) रह गई है। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) प्रशांत तापसे ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से निवेशकों ने भारतीय शेयरों से पैसा निकालना शुरू कर दियाटाइटन कंपनी, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय स्टेट बैंक शेयरों में उछाल देखने को मिली। बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स 0.30 फीसदी गिरा, जबकि मिडकैप इंडेक्स में 0.10 फीसदी की गिरावट आई, जबकि विदेशी बाजारों में स्थिरता बनी रही। घरेलू कारणों का दबाव भारतीय बाजार पर बना रहा। आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी बड़ी कंपनियों के शेयर में गिरावट देखने को मिली।

भारत से घबराए पाकिस्तान ने स्थगित की अपनी टी20 लीग, पीसीबी ने अनिश्चितकाल के लिए टाला

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। इससे कुछ घंटे पहले ही घोषणा की गई थी कि भारत के साथ चल रहे सैन्य संघर्ष के कारण टी20 टूर्नामेंट को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थानांतरित कर दिया गया है। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक यूएई ने मेजबानी से इनकार कर दिया, जिसके बाद पीएसएल को स्थगित करने का फैसला लेना पड़ा। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल के बचे मैचों को भी एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया था।

पीएसएल अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

पीसीबी ने एक बयान में कहा, श्स्थगित करने का फैसला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मिली सलाह के अनुसार लिया गया है।श हालांकि, यह पता चला है कि एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड ने पीएसएल के बचे मैचों की मेजबानी के लिए पीसीबी के अनुरोध को मंजूरी देने से मना कर दिया, क्योंकि उसके बीसीसीआई के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध है।

पीएसएल में आठ मैच बाकी थे

पीसीबी ने इसके बाद लीग को स्थगित करने का फैसला करते हुए कहा कि वह अपने साझेदारों, फ्रेंचाइजी, भाग लेने वाले खिलाड़ियों, प्रसारकों, प्रायोजकों और आयोजकों के प्रयासों और समर्थन के उन्हें धन्यवाद देता है। पीएसएल 2025 में महज आठ मैच बचे थे और 18 मई को फाइनल खेला जाना था। पीसीबी ने शुक्रवार को कहा था कि अंतिम आठ मैच अब यूएई में खेले जाएंगे। पहले ये मैच रावलपिंडी, मुल्तान और लाहौर में खेले जाने थे।

आईपीएल एक हफ्ते के लिए स्थगित किया गया

इससे पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच शुक्रवार को बड़ा फैसला लिया था। बीसीसीआई ने तनाव को देखते हुए आईपीएल 2025 का सत्र बीच में ही एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि 'फिलहाल लीग को एक हफ्ते के लिए टाल दिया गया है। इसके बाद हम हालात का जायजा लेंगे और फैसला करेंगे।' इसके लिए बोर्ड अलग से कार्यक्रम जारी करेगा।

आईपीएल में 16 मुकाबले खेले जाने शेष थे

लीग के लिए विंडो को लेकर पूछ गए सवाल में उन्होंने कहा कि श्सभी बोर्ड हमारा समर्थन करते हैं। ऐसे में विंडो कोई चिंता की बात नहीं है।श विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता को लेकर उन्होंने कहा कि श्यह उनका निजी फैसला होगा, वो खुद ही इस पर फैसला लेंगे।श आईपीएल 2025 का सत्र अपने अंतिम पड़ाव पर चल रहा था और इसमें फाइनल सहित कुल 16 मुकाबले खेले जाने शेष थे। आईपीएल 2025 सत्र का फाइनल मुकाबला 25 मई को कोलकाता में खेला जाना था, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए इसे एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया गया है।

पाकिस्तान के हमले को भारतीय सेना ने किया नाकाम

22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ पाकिस्तान में चलाए गए भारत के ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान ने गुरुवार की रात भारत के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, जिसे भारतीय सेनाओं ने पूरी तरह नाकाम कर दिया। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया था और 100 आतंकियों को मार गिराया था।

रोहित के बाद क्या कोहली भी टेस्ट से लेंगे संन्यास ? रिपोर्ट में दावा- बीसीसीआई ने फिर से सोचने को कहा

मुंबई। विराट कोहली ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से कहा है कि वह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहते हैं। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि बोर्ड के शीर्ष अधिकारियों ने उन्हें फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए कहा है। बोर्ड के एक अधिकारी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया, श्कोहली ने अपना मन बना लिया है और बोर्ड को सूचित कर दिया है कि वह टेस्ट क्रिकेट को छोड़ने जा रहे हैं। बीसीसीआई ने उनसे पुनर्विचार करने का आग्रह किया है क्योंकि इंग्लैंड का अहम दौरा जल्द ही आने वाला है। कोहली ने अभी तक इस अनुरोध पर जवाब नहीं दिया है।

रोहित ने हाल ही में टेस्ट से संन्यास लिया था

कोहली ने यह फैसला रोहित शर्मा के कुछ दिन पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद लिया है। भारत के चयनकर्ता अगले महीने इंग्लैंड में होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम चुनने के लिए कुछ दिनों में बैठक करने वाले हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, कोहली इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाद से ही अपने टेस्ट में भविष्य पर विचार कर रहे हैं। दौरे पर पहले टेस्ट में शतक जड़ने के बाद कोहली ने बाकी मैचो में बेहद खराब बल्लेबाजी की थी।

न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खराब प्रदर्शन

कोहली ने पर्थ में पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 100 रन बनाने के बाद अन्य चार टेस्ट की सात पारियों में 90 रन ही बना पाए थे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोहली ने पांच टेस्ट की नौ पारियों में 23.75 की औसत से 190 रन बनाए थे। उससे पहले कोहली का न्यूजीलैंड के भारत दौरे पर भी प्रदर्शन खराब रहा था। कीवियों के खिलाफ तीन टेस्ट की छह पारियों में वह 15.50 की औसत से 93 रन बना पाए थे।

क्या कोहली अपना फैसला बदलेंगे?

अगर कोहली अपना मन नहीं बदलते हैं तो रोहित के संन्यास के बाद भारत को एक और बड़ा झटका लगेगा। साथ ही भारतीय क्रिकेट में एक अध्याय भी समाप्त हो जाएगा। रोहित ने बुधवार को टेस्ट से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने भी इस प्रारूप में कीवियों और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खराब प्रदर्शन के बाद फैसला लिया था। रोहित और कोहली टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले ही संन्यास ले चुके हैं।

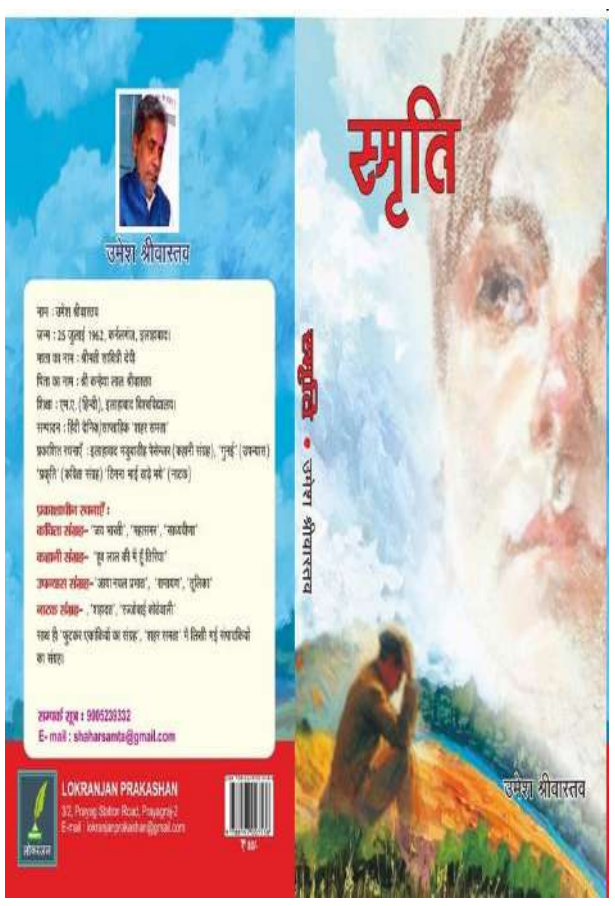

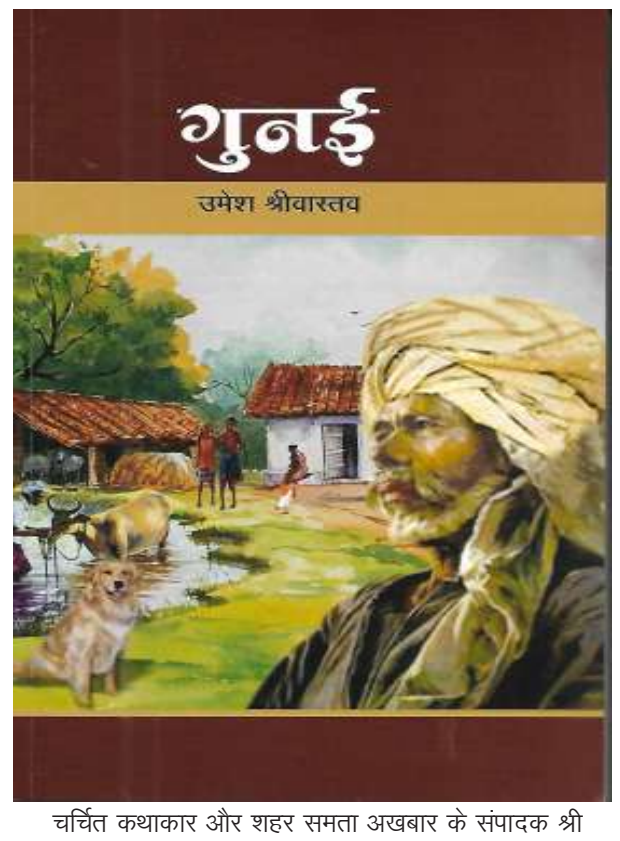

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

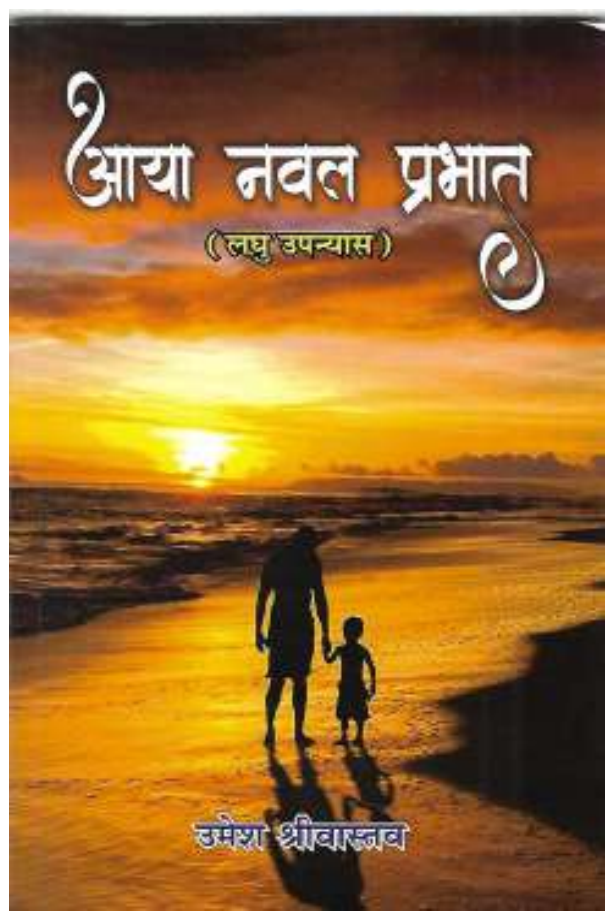

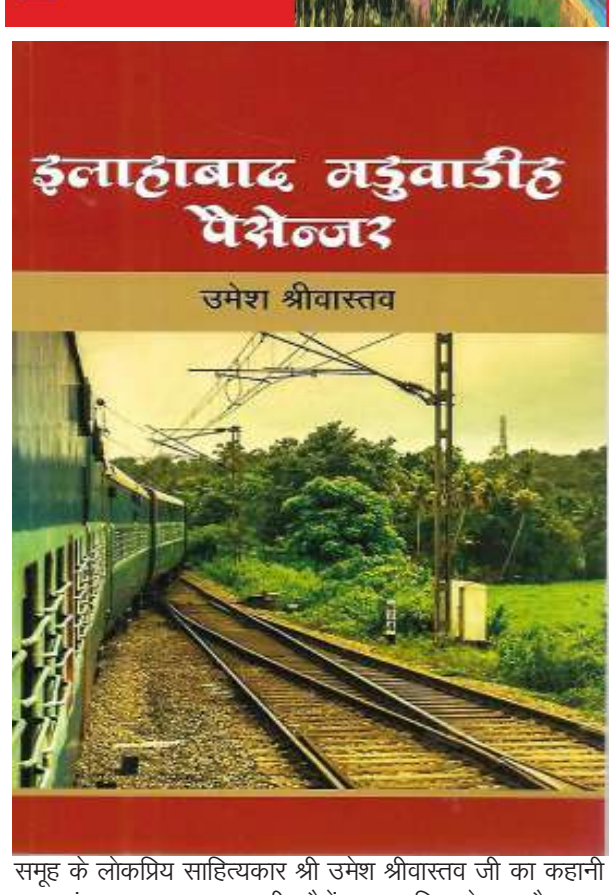

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

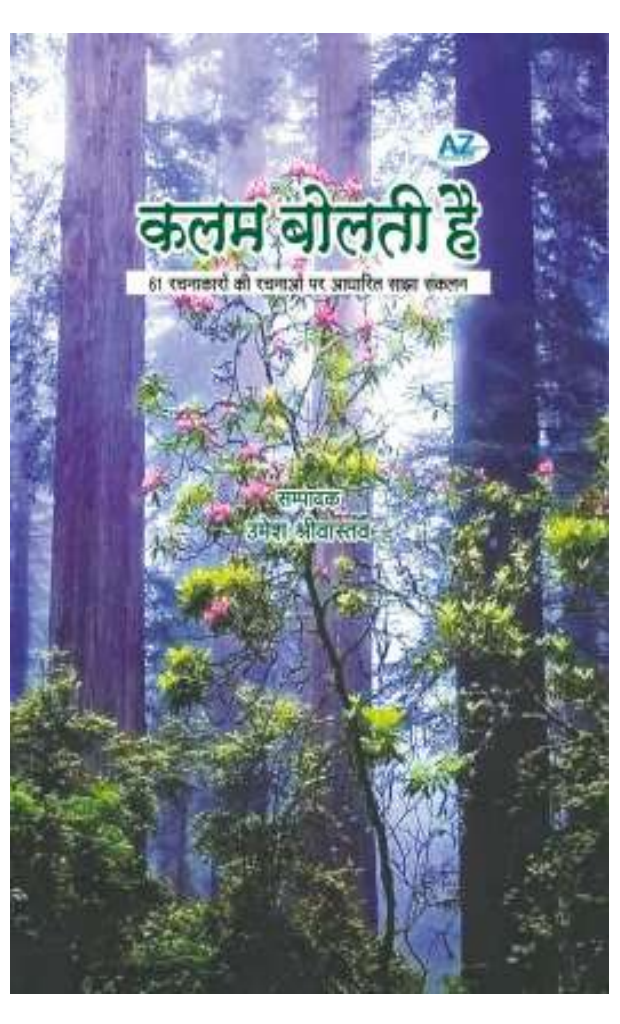

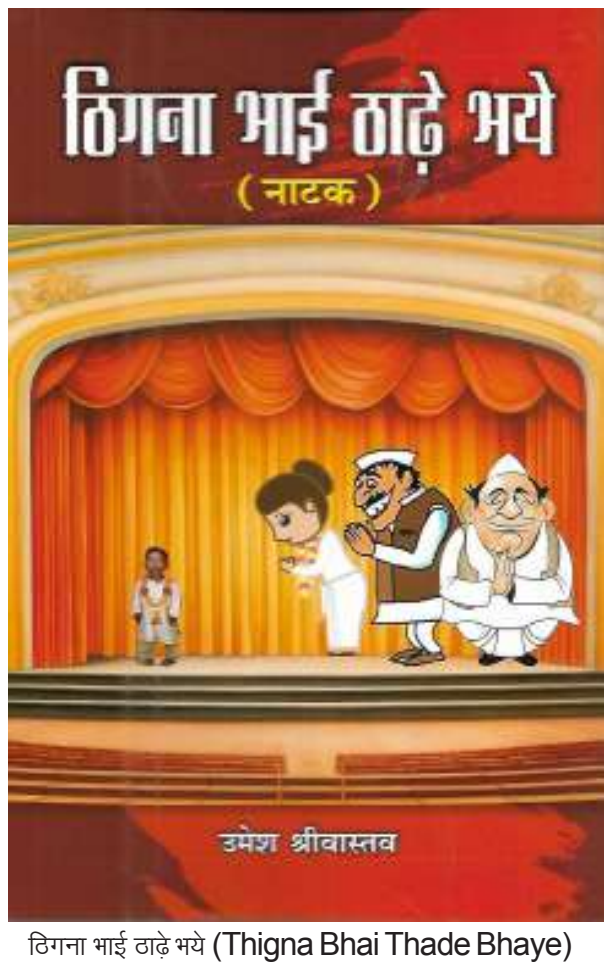

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन के बाद कोलंबिया विवि की कार्रवाई, 65 से अधिक छात्रों को किया निलंबित

न्यूयॉर्क। कोलंबिया विश्वविद्यालय ने 65 से ज्यादा छात्रों को निलंबित कर दिया है और पूर्व छात्रों व अन्य लोगों को प्रतिबंधित कर दिया है, जिन्होंने इस हफ्ते की शुरुआत में स्कूल की मुख्य लाइब्रेरी के अंदर फलस्तीन समर्थन प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। ये जानकारी स्कूल के प्रवक्ता ने शुक्रवार को दी। मैनहट्टन में आइवी लीग संस्थान ने 65 से अधिक छात्रों को अंतरिम निलंबन पर रखा है और 33 अन्य छात्रों को परिसर में कदम रखने से रोक दिया है, जिनमें बर्नार्ड कॉलेज जैसे संबद्ध संस्थानों के छात्र भी शामिल हैं।

जांच तक सभी पर लागू रहेगा अंतरिम निलंबन

कोलंबिया की वेबसाइट के अनुसार, अंतरिम निलंबन का आम तौर पर मतलब होता है कि कोई छात्र परिसर में नहीं आ सकता, कक्षाओं में भाग नहीं ले सकता या अन्य विश्वविद्यालय गतिविधियों में भाग नहीं ले सकता। विश्वविद्यालय ने यह बताने से इनकार कर दिया कि अनुशासनात्मक उपाय कब तक लागू रहेंगे, केवल इतना कहा कि निर्णय आगे की जांच के लंबित हैं।

पुलिस ने 80 प्रदर्शनकारियों को किया गिरफ्तार

कोलंबिया के अनुसार, विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाले अज्ञात संख्या में पूर्व छात्रों को भी अब स्कूल परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया गया है। विश्वविद्यालय की बटलर लाइब्रेरी में बुधवार शाम के प्रदर्शन के सिलसिले में लगभग 80 लोगों को गिरफ्तार

किया गया। पुलिस ने कहा है कि अधिकांश पर अतिक्रमण के आरोप हैं, हालांकि कुछ पर अव्यवस्थित आचरण का भी आरोप हो सकता है। जानकारी के मुताबिक, नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने कैंपस सुरक्षा अधिकारियों को धक्का देकर इमारत में घुस गए और किताबों की अलमारियों पर फलस्तीनी झंडे और अन्य बैनर लगा दिए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने लाइब्रेरी के फर्नीचर और पिक्चर फ्रेम पर वाक्यांश भी लिखे, जिनमें कोलंबिया जल जाएगा भी शामिल था। हेलमेट और अन्य सुरक्षा में न्यूयॉर्क शहर की पुलिस ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों के अनुरोध पर प्रदर्शन को समाप्त कर दिया, जिन्होंने विरोध प्रदर्शनों की निंदा करते हुए इसे अंतिम परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए अपमानजनक व्यवधान बताया।

अमेरिकी विदेश मंत्री की प्रतिक्रिया

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि उनका कार्यालय संभावित निर्वासन के लिए लाइब्रेरी अधिग्रहण में भाग लेने वालों की वीजा स्थिति की समीक्षा करेगा। ट्रंप प्रशासन ने पहले ही संघीय वित्त पोषण वापस ले लिया है और गाजा में युद्ध के खिलाफ छात्र विरोध प्रदर्शनों से निपटने के लिए कोलंबिया और अन्य प्रतिष्ठित अमेरिकी विश्वविद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय छात्रों को हिरासत में लिया है।

संक्षिप्त समाचार

नहीं माने तो...आसिम मुनीर पर भड़क गया अमेरिका! फोन कर रूबियो ने अच्छे से समझा दिया

आसिम मुनीर को अमेरिका ने हड़काया है। वो मौलाना जो गलती से पाकिस्तान का सेना अध्यक्ष भी है। पाकिस्तान के सेना अध्यक्ष को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने फोन किया और कार्रवाई तुरंत रोकने को कहा है। सिविलियंस को टारगेट करने के पाकिस्तान के इस कायराना हरकत और भारत पाकिस्तान के बीच चल रहे तनातनी पर पूरी दुनिया की नजर बनी हुई है। इस घटना को लेकर व्हाइट की प्रवक्ता कैरोलिना डेविड ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वो जल्द से जल्द इस तनाव को कम होते देखना चाहते हैं। राष्ट्रपति समझते हैं कि ये दो ऐसे

देश हैं जो दशकों से एक दूसरे के साथ मतभेद रखते आए हैं। हालांकि दोनों के नेताओं के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। विदेश मंत्री मार्को रूबियो दोनों देशों के नेताओं के साथ लगातार संपर्क में हैं। इस संघर्ष को समाप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसियों के बीच तनाव पिछले कई वर्षों में सबसे अधिक बढ़ गया है। मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद सीमा पार रणनीतिक स्थानों को निशाना बनाया गया है, जिसमें एयरबेस और नागरिक क्षेत्र शामिल हैं। भले ही कूटनीतिक चौनल सक्रिय हैं, लेकिन जमीन पर सैन्य स्थिति और भी गंभीर हो गई है। लगातार दूसरी रात भारत ने जवाबी कार्रवाई की और पाकिस्तान द्वारा किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों को बेअसर कर दिया। विदेश विभाग के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि उन्होंने भविष्य में विवादों को टालने के लिए उत्पादक चर्चाओं को सुविधाजनक बनाने में अमेरिकी समर्थन का प्रस्ताव रखा। इससे पहले, रुबियो ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से भी बात की थी, जहां उन्होंने संयम तथा संवाद का आग्रह करते हुए ऐसा ही संदेश दिया था। दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसियों के बीच तनाव पिछले कई वर्षों में सबसे अधिक बढ़ गया है। मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद सीमा पार रणनीतिक स्थानों को निशाना बनाया गया है, जिसमें एयरबेस और नागरिक क्षेत्र शामिल हैं।

प्रधानमंत्री शरीफ की सलाह पर पीएसएल स्थगित : पीसीबी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। इससे कुछ घंटे पहले ही घोषणा की गई थी कि भारत के साथ चल रहे सैन्य संघर्ष के कारण टी20 टूर्नामेंट को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थानांतरित कर दिया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पड़ोसी देशों के बीच सीमा पार तनाव के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बचे मैचों

को भी स्थगित कर दिया है। पीसीबी ने एक बयान में कहा, ''स्थगित करने का फैसला प्रधानमंत्री मियां मुहम्मद शाहबाज शरीफ से मिली सलाह के अनुसार लिया गया है। राष्ट्रीय भावनाएं पाकिस्तान के सशस्त्र बलों के साहसी प्रयासों पर केंद्रित हैं जो पाकिस्तान की संप्रभुता को मुखरता से कायम रख रहे हैं।'' बयान में आगे कहा गया, ''पीसीबी और उसके खिलाड़ी शहीदों के परिवारों और राष्ट्र की रक्षा करने वाले हमारे सुरक्षाकर्मियों के साथ एकजुटता में खड़े हैं।'' हालांकि यह पता चला है कि एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के पीएसएल के बचे मैचों की मेजबानी के लिए पीसीबी के अनुरोध को मंजूरी देने की संभावना नहीं है क्योंकि उसके बीसीसीआई के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध है।

जी–7 देशों ने भारत और पाकिस्तान से सैन्य तनाव कम करने की अपील की

'ग्रुप ऑफ सेवन' (जी–7) देशों ने भारत और पाकिस्तान से अधिक से अधिक संयम बरतने का शनिवार को आग्रह किया और सैन्य संघर्ष को बातचीत के माध्यम से तत्काल कम करने का आह्वान किया। समूह द्वारा यह आह्वान ऐसे समय में किया गया है जब परमाणु हथियारों से लैस भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव लगातार बढ़ रहा है। जी–7 देशों ने कहा कि वह स्थिति पर ''बारीकी से नजर रख रहा है और एक त्वरित एवं स्थायी कूटनीतिक समाधान के लिए अपना समर्थन व्यक्त करता है''। जी–7 देशों के विदेश मंत्रियों ने एक बयान में कहा कि सैन्य तनाव और बढ़ने से क्षेत्रीय स्थिरता को गंभीर खतरा होगा। समूह ने एक बयान में कहा, ''जी–7 के सदस्यों देशों कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका के विदेश मंत्री और यूरोपीय संघ के उच्च प्रतिनिधि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं और भारत एवं पाकिस्तान दोनों से अधिक से अधिक संयम बरतने की अपील करते हैं।'' इसमें कहा गया, ''सैन्य तनाव और बढ़ने से क्षेत्रीय स्थिरता को गंभीर खतरा होगा। हम दोनों देशों के नागरिकों की सुरक्षा के लिए बेहद चिंतित हैं।''

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

'ऑपरेशन सिंदूर' का जवाब देने के लिए पाकिस्तान लाया ऑपरेशन 'बुनयान उल मरसूस'

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर का संचालन किया था जिसके बाद पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। पाकिस्तान ने इस ऑपरेशन के विरोध में ऑपरेशन बुनयान अल मरसूस की शुरुआत कर दी है। ये ऑपरेशन है, जिसके तहत भारत के रिहायशी इलाकों में बीती रात हमला किया गया है। हालांकि भारतीय सेना भी मुस्तैदी के साथ लगातार इन हमलों का मुंहतोड़ जवाब दे रही है। बता दें कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ जो ऑपरेशन शुरू किया है इसका नाम ऑपरेशन बुनयान अल मरसूस रखा है। इस ऑपरेशन का अर्थ है शीशे जैसी मजबूत दीवार यानी एक ऐसी दीवार जो बहुत मजबूती से रक्षा करती है। पाकिस्तान ने ऑपरेशन का ये नाम इसलिए रखा है ताकि वो दुनिया के सामने खुद को मजबूत

दिखा सके। इस ऑपरेशन का नाम देने के साथ ही पाकिस्तान ने शनिवार की सुबह भारत पर फतेह 1 मिसाइल लॉन्च कर दी है। इस मिसाइल के साथ ही ड्रोन और मिसाइलें भी दागी गई है। बता दें कि रेडियो पाकिस्तान के अनुसार पाकिस्तान ने ऑपरेशन बुनयान अल मरसूस की शुरुआत कर दी है। कुरान की आयत से इस नाम को लिया गया है। इसका अर्थ है मजबूत दिवार। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस ऑपरेशन के तहत भारत के कई शहरों को निशाना बनाया गया और इस पर हमले हुए है। भारत ने पाकिस्तान का ये ऑपरेशन सफल नहीं होने दिया। शुरुआत से ही भारतीय सेना ने गोलीबारी का जवाब दे रही थी। पाकिस्तान के इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी के बयान मुताबिक भारतीय सेना ने उनके तीन सैन्य अड्डों पर हमला बोला। इसकी जवाबी कार्रवाई में भारत के पंजाब के सिख इलाकों में बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गई। भारत ने जिसी शुरुआत की है उसे पाकिस्तानी सेना अंजाम तक पहुंचाने की तैयारी में जुटी है। पाकिस्तान की सेना का दावा है कि भारत के अन्य सैन्य ठिकानों पर भी हमले हो रहे है। पाकिस्तान की सेना भारत के सभी ठिकानों को निशाना बना रही है। इन ठिकानों से ही भारतीय सेना ने पाकिस्तान के नागरिकों और मस्जिदों पर हमला किया था। बता दें कि पाकिस्तान लगातार कई दिनों से पीओके और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है। मिसाइल और ड्रोन से पाकिस्तानी सेना लगातार हमले कर रही है।

पूरी रात पाकिस्तान में मचाई भयंकर तबाही! क्यों नूर खान, मुरीद, रफीकी को भारतीय सेना ने किया टारगेट?

भारत ने रात में छह प्रमुख पाकिस्तानी एयरबेसों पर सफलतापूर्वक हमला किया, जिससे सैन्य प्रतिष्ठानों और संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा। लक्षित एयरबेसों में रावलपिंडी में नूर खान, चकवाल में मुरीद, शोरकोट में रफीकी, रहीम यार खान, सुक्कुर और चुनियान शामिल हैं।

नूर खान एयर बेस, रावलपिंडी

इस्लामाबाद से सिर्फ़ 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित नूर खान एयर बेस पाकिस्तान के सबसे संवेदनशील सैन्य परिसरों में से एक है और यहाँ से वायु सेना के संचालन और वीआईपी परिवहन दोनों की सुविधा मिलती है। पहले इसे चकलाला एयर बेस के नाम से जाना जाता था, इसने 1965 और 1971 के युद्धों सहित पिछले संघर्षों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह बेस हवाई ईंधन भरने और परिवहन मिशनों का समर्थन करता है और शीर्ष राजनीतिक और सैन्य नेताओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले विमानों सहित पाँच से छह प्रमुख परिवहन स्क्वाड्रनों का घर है। भावी वायु सेना नेताओं के लिए प्रशिक्षण संस्थान, पीएएफ कॉलेज चकलाला भी यहीं स्थित है। नूर खान पर हमला करके, भारत ने संकेत दिया कि पाकिस्तान की सबसे सुरक्षित संपत्ति भी पहुँच से परे नहीं है।

मुरीद एयर बेस, चकवाल

पाकिस्तान के चकवाल जिले में स्थित, मुरीद एयरबेस पिछले दो दिनों में भारत को निशाना बनाकर ड्रोन संचालन के लिए एक केंद्र के रूप में उभरा है। यह शाहपार–1 और बेराकटार टीबी2 जैसे उन्नत यूएवी और यूसीएवी का संचालन करने वाले कई पाकिस्तानी वायु सेना स्क्वाड्रन की मेजबानी करता है। यह बेस पाकिस्तान के ड्रोन युद्ध कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, निगरानी, घ्घ्हमलों और खुफिया जानकारी जुटाने में सहायता करता है। भारतीय हमले को इस सुविधा से लॉन्च किए गए सैकड़ों ड्रोनों के प्रत्यक्ष जवाब के रूप में देखा जाता है।

रफ़ीक़ी एयर बेस, शोरकोट

1965 के युद्ध के नायक स्क्वाड्रन लीडर सरफराज अहमद रफीकी के नाम पर बने इस बेस में श्रथ–17 और मिराज फाइटर जेट के कई स्क्वाड्रन के साथ–साथ यूटिलिटी हेलीकॉप्टर भी हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि भारत पर हाल ही में हुए हमलों में इस्तेमाल की गई मुख्य संपत्तियों में श्रथ–17 युद्धक विमान शामिल थे। मध्य पंजाब में इसका स्थान पूर्वी और पश्चिमी दोनों मोर्चों पर त्वरित तैनाती को सक्षम बनाता है, और इसका बुनियादी ढांचा इसे पाकिस्तान के वायु रक्षा नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाता है। 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए एक घातक आतंकवादी हमले के बाद 7 मई को भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी लॉन्चपैड्स पर सटीक हमले करने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव तेजी से बढ़ गया, जिसमें 26 लोग मारे गए, जिनमें से ज़्यादातर पर्यटक थे।

रहीमयार खान एयरबेस

भारतीय वायुसेना द्वारा निशाना बनाया गया चौथा पाकिस्तानी एयरबेस दक्षिणी पंजाब में रहीमयार खान एयरबेस है।

आतंक की फैक्ट्री पाकिस्तान को मिला आईएमएफ से लोन, भारत ने किया था कड़ा विरोध

पाकिस्तान ने यह दावा किया है कि इस अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के कार्यकारी बोर्ड से एक मिलियन डॉलर की आर्थिक मदद मिल गई है। पाकिस्तान द्वारा किए गए दावे में कहा गया है कि उसे आर्थिक मदद दिए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में इसकी पुष्टी हुई है। वहीं सोशल मीडिया पर आईएमएफ को यूजर्स ने आतंकवाद का समर्थक बुला रहे है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा लोन को मंजूरी दिए जाने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के कार्यालय ने संतोष व्यक्त किया है। गौरतलब है कि भारत ने पाकिस्तान को कर्ज दिए जाने का पुरजोर विरोध किया था। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष बोर्ड को 7 बिलियन कार्यक्रम की समीक्षा और 2 साल से अधिक समय के लिए 13 बिलियन डॉलर के नए कर्ज को लेकर चर्चा करनी थी।

फंड लेकर सेना पर खर्च कर देता है पाकिस्तान, ब्रिटेन में हाई कमीशनर ने कहा– हमने 30 वर्षों तक संयम बरता है

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में वृद्धि और एलओसी पर संघर्षपूर्ण हालात ने दो परमाणु–सशस्त्र पड़ोसियों के बीच दशकों में पहली बार पूर्ण युद्ध की आशंका पैदा कर दी है। भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं में कुल मिलाकर करीब 2 मिलियन सशस्त्र बल कर्मी हैं। इसका मतलब है कि यह युद्ध द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से लड़ाकों की संख्या के हिसाब से सबसे बड़ा युद्ध हो सकता है। पाकिस्तान के पास वैसे तो आटा खरीदने तक के पैसे नहीं हैं। लेकिन उधार की जिंदगी जीता मुल्क हथियारों और सेना के लिए कर्ज लेकर उसे आतंक को सपोर्ट करने के लिए लगा रहा है। पाकिस्तान को आईएमएफ की तरफ से 1 बिलियन डॉलर का लोन जारी करने को मंजूरी मिल गई है। यूनाइटेड किंगडम में भारत के हाई कमीशन ने बीबीसी रेडियो से बात करते हुए कहा कि भारत–पाकिस्तान संघर्ष पर हमने 30 वर्षों तक संयम बरता है। पाकिस्तानी सरकार परमाणु शब्द का इस्तेमाल कर रही है। हम पाकिस्तान के साथ बड़े संघर्ष की इच्छा नहीं रखते। इसके साथ ही हाई कमीशनर ने कहा कि पाकिस्तान के लिए धन सेना को जाता है। आपको बता दें कि पाकिस्तान को करीब 1 बिलियन डॉलर लोन जारी करने की मंजूरी दे दी। इससे पहले भारत ने आईएमएफ के उस प्रस्ताव का विरोध किया जिसमें पाकिस्तान को 2.3 अरब डॉलर का नया कर्ज देने की बात थी। भारत का कहना है कि यह पैसा पाकिस्तान सरकार सीमापार आतंकवाद फैलाने में इस्तेमाल कर सकती है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि भारत ने आईएमएफ बोर्ड की बैठक में हिस्सा तो लिया, लेकिन वोटिंग में भाग नहीं लिया। भारत ने कहा कि अगर ऐसे देश को बार–बार कर्ज दिया जाता है, तो इससे वैश्विक मूल्यों का मजाक बनता है।

मार्को रुबियो ने विदेश मंत्री जयशंकर को किया फोन, पाक से तनाव कम करने की अपील

आज सुबह अमेरिका के @SecRubio से बातचीत हुई। भारत का दृष्टिकोण हमेशा संतुलित और जिम्मेदाराना रहा है और आज भी ऐसा ही है। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार (10 मई, 2025) को विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बातचीत की और इस बात पर जोर दिया कि दोनों पक्षों को तनाव कम करने और सीधा संवाद बहाल करने के तरीकों की पहचान करने की जरूरत है। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बात की है और भारत तथा पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने तथा संवाद के लिए सीधे चैनल खोलने की आवश्यकता पर बल दिया है। विदेश विभाग के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि उन्होंने भविष्य में विवादों को टालने के लिए उत्पादक चर्चाओं को सुविधाजनक बनाने में अमेरिकी समर्थन का प्रस्ताव रखा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।